2 गज दूरी
मास्क जरूरी

5 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-10 eb&2023 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

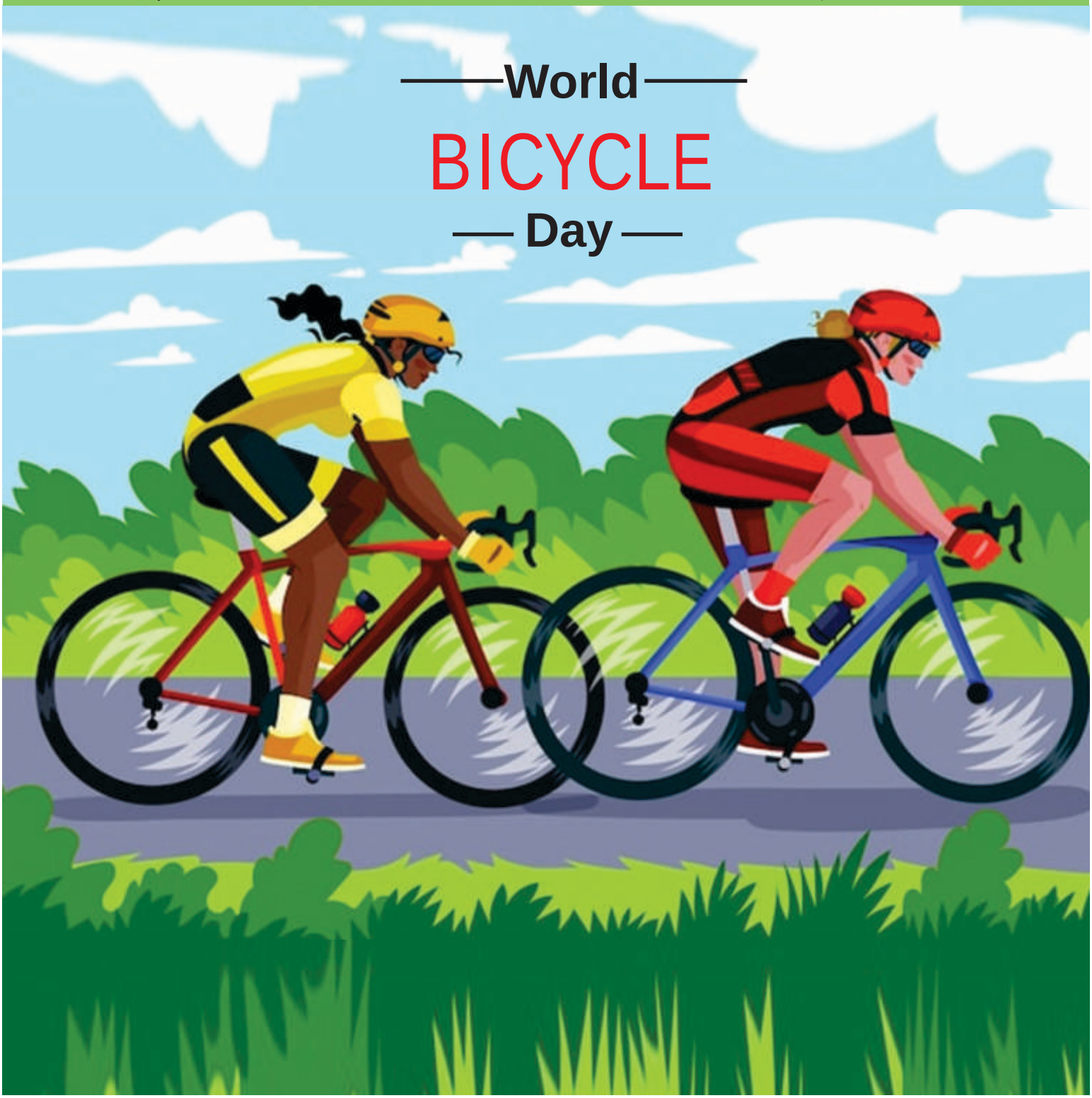

Lo- foukn ckykfn ; k
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, 22 Godown Industrial Area,
Kartarpura, Jaipur, 0141 - 4022538
rajblocks@yahoo.com | rajblocksjpr@gmail.com
rajprintlinejpr@gmail.com | rajprintlinejpr@yahoo.co.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हमारे परिवारों से नैतिकता, शालीनता और संस्कृति धीरे-धीरे घटती जा रही है विशेषकर नव युवक-युवतियों की सोच, व्यवहार, वार्तालाप और दिनचर्या में बहुत परिवर्तन देखा जा रहा है। इसका मूल कारण हमारे परिवारों में नैतिक मूल्यों की निरंतर कमी होना है। मानवता, अहिंसा, न्याय, सच्चाई, ईमानदारी, शांति, सदाचार और देशभक्ति हमारे सामाजिक व नैतिक मूल्य हैं। सभ्यता, संस्कृति का अंग है और सभ्यता से मनुष्य के भौतिक क्षेत्र की प्रगति सूचित होती है जबकि संस्कृति से मानसिक प्रगति सूचित होती है। संस्कृति और नैतिक मूल्यों का चोली दामन का साथ है। नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्ण कर ईश्वरीय रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते हैं। परंतु पाश्चात्य, भोतिकता व आधुनिकता के कारण हमारे मूल्यों का निरंतर पतन हो रहा है। परिणामस्वरूप नैतिकता घुट-घुट कर सांस ले रही है। यह स्थिति तो तब है जब नैतिकता को मानव का अभिन्न अंग माना जाता है। नैतिकता के अभाव में मनुष्यता निरर्थक होकर किसी पशु के समान है।

हम सभी महत्वपूर्ण निर्णय नैतिकता की कसौटी पर कसने के बाद ही करते हैं। लेकिन कई बार देखने में आता है की हमारे परिवार के मुखिया व बुजुर्ग अपने अंत:करण की आवाज को अनसुना कर अपने अहंकार और स्वार्थ के कारण वे गलत फैसला ले लेते हैं इससे परिवार के अन्य सदस्यों के हितों की बलि चढ़ जाती है। परिणामस्वरूप परिवार में अशांति, तनाव व कलह बढता है जो पतन का कारण बनता है। यदि हमें जीवन बेहतर बनाना है तो निर्णयों में परिवार के सभी सदस्यों की भागीदारी हो और परिवार में सुख-शांति का वातावरण बनाये तथा परिवार के सभी सदस्य नैतिकता का पालन करें।

नैतिक मूल्य इतने सशक्त होते हैं कि यदि शुद्ध अंत:करण से अनुपालन किया जाए तो शांति और समृद्धि का माध्यम बनते हैं और परिवार व समाज संगठित होता है।

हाल ही में परीक्षाओं के परिणाम घोषित हुए है, समाज के अनेक बच्चों ने बहुत अच्छे अंक अर्जित कर समाज को गौरवान्वित किया है इन सभी को **कुमावत इंडिया** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं। जिन बच्चों ने 10वीं व 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं में 80 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त किए हैं उनकी फोटो व विवरण भेजें उनका प्रकाशन जून, 2023 के अंक में किया जाएगा।

जय कुमावत समाज।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ट संरक्षक सदस्य : श्री कैलाश घोड़ावड़	4
कुमावत समाज की महापंचायत ने विद्याधर नगर स्टेडियम मं हुंकार भरी	5
कुमावत महापंचायत की चित्रावली	6
डूंगराल परिवार ने मंदिर और धर्मशाला के लिए 11 लाख की भूमि व 11 लाख नकद दिए	7
मजदूर की लाड़ो बनी अधिकारी	7
सिटी पैलेसे जयपुर में पारम्परिक कलाओं का प्रशिक्षण	7
अनुराधा कुमावत को पीएचडी की उपाधि	8
समाज की भूमि पर गार्डन, खेल परिसर, छात्रावास की नीव रखी गयी	8
अभिलाषा कुमावत को PhD की उपाधि	8
डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने राजकीय विद्यालय भवन के लिए 4 लाख सहयोग किया	8
गरिमा कुमावत ने 9 बार पास की यूजीसी नेट परीक्षा	8
नरेश ने जुड़ो में जीते दो गोल्ड	8
चित्तौड़गढ़ का नमन कुमावत अब खेलेगा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर	8
प्रीति कुमावत सीए बनी	8
अहंकार है व्यक्तित्व की बाधा	9
ध्यान दें : बच्चे गलत संगत में न फंसे	9
श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति, जयपुर का चुनाव-कार्यक्रम घोषित	9
सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित	10
नाशिक में 11वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न	10
गर्मी में रखें सेहत का ख्याल	10
निर्जला एकादशी	10
आयुर्वेद में स्वास्थ्य विज्ञान एवं ग्रीष्म ऋतु	11
समर्थता के साथ सहिष्णुता	11
विश्व साईकल दिवस 3 जून	12
पहले सामान्य सी परीक्षा में असफल रहे आज उनमें से कई कैरियर में सफल	12
एमनेस्टी स्कीम-2023	13
योग अपनाए स्वस्थ रहे	14
प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को बधाई	15
मैंगो पिस्ता आइसक्रीम	15
स्ओन कार्विंग (रत्ननक्काशी) की कार्यशाला	16
माँ श्रीमती गुलाबदेवी की मरणोपरांत आँखें दान की	16
अमर मंडराव को स्टे कोऑडिनेटर व श्रीचंद कुमावत को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया	17
गजानंद कुमावत कांग्रेस ओबीस प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त	17
ललित जालवाल, राज. कांग्रेस ओबीसी के उपापध्यक्ष नियुक्त	17
नरेश कुमावत नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित	17
अभिज्ञान ए. सिंघाटिया की पस्तक चाइना टॉउन का विमोचन	17
युवाओं को उनकी रुचि अनुरूप पेशा अपनाने दें	19
जीऐं तो ऐसे जीऐं	19
सोशल मीडिया व इन्टरनेट कर रहा अपनों से दूर	20
ब्रेन भी पागल है... इसे कन्ट्रोल करो	20
एटीएम का इस्तेमाल में सावधानियां बरतकर धोखाधड़ी से बचें	21
समाज के प्रसिद्ध सृजनशील व्यक्तित्व	21
हरी सब्जियां खाये-सेहत बनाएं	22
खाली पेट चाय या कॉफी पीने के नुकसान	22
उत्तर दिशा में सिर करके क्यों नहीं सोना चाहिए	23
विशिष्ट संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
विज्ञापन	27
स्मृति शेष : समाज सेवी रमेश चंद्र झालवार	28
गरिमा वर्मा को पीएचडी, चौथराम कुमावत एक्जीक्यूटिव इंजीनियर चयनित	28
श्रद्धांजलि विज्ञापन	29
बधाई विज्ञापन	30

विशिष्ट संरक्षक

श्री कैलाश घोड़ावड़

पुत्र श्री लालूराम जी घोड़ावड़
कृष्ण सिल्क मिल्स, एल-3065,
सूरत टेक्सटाइल मार्केट,
रिंग रोड, सूरत
मो. : 9427168065

इनका जन्म 10 जुलाई, 1979 को निमाज पाली के श्री लालूराम जी घोड़ावड़ के परिवार में हुआ। श्री कैलाश घोड़ावड़ ने कक्षा 10 तक शिक्षा ग्रहण की है। आप सूरत, गुजरात में कृष्णा सिल्क मिल्स के नाम से कपड़े का व्यवसाय कर रहे हैं जिसमें मैन्यूफैक्चरिंग, ट्रेडिंग तथा एक्सपोर्ट का कार्य किया जा रहा है। आप आरएसएस से 20 वर्षों से जुड़े हुए हैं। आप 15 वर्ष तक युवा कुमावत अध्यक्ष रहे तथा 5 वर्ष तक बजरंग सेना अध्यक्ष रहे। आप गुजरात भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रहे हैं, वर्तमान में आप गुजरात भाजपा भाषाभाषी सेल के सदस्य हैं। सूरत तथा निमाज में समाजसेवी तथा भामाशाह के रूप में आपकी विशिष्ट पहचान है। आप भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. के गुजरात प्रदेश के तीसरी बार निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं।

आपके एक पुत्री चेतना 12 कक्षा में तथा जुड़वा बच्चे इशांत व ईशिका आठवीं कक्षा में अध्ययनरत हैं। आप सामाजिक तथा राजनीतिक रूप से गुजरात तथा राजस्थान में सक्रिय हैं। आपकी मिलनसारिता, मृदु व्यवहार तथा आकर्षक व्यक्तित्व सभी को भाता है तथा आप सभी से बड़ी सहजता और सरलता से मिलते-जुलते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

चाकसू में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की टीम ने सामूहिक विवाह में शिरकत की व वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया।

कुमावत समाज की महापंचायत ने विद्याधर नगर स्टेडियम में हुंकार भरी

21 मई 2023 को कुमावत समाज के प्रदेशभर से आए समाज बंधुओं ने इस महापंचायत में अपने हक और अधिकार लेने के लिए केसरिया साफा पहने 5 घंटे तक उत्साह और जोश से भरकर शिरकत की। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पधारने पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस महापंचायत में फुलेरा विधायक निर्मल कुमावत, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य मुकेश वर्मा व ललित तुनवाल, पूर्व विधायक नानू राम कुमावत, भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर अध्यक्ष चेतन कुमावत, कोर कमेटी के सदस्य व पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ताराचंद कुमावत, छोटूराम बड़ीवाल, कैलाश कुमावत, डी.डी. कुमावत व समाज के अन्य वक्ताओं ने अपने-अपने विचार रखते कहा कि सैकड़ों प्राचीन धरोहरों और इमारतों को गढ़ने वाले हम समाज के राज शिल्पी और वास्तुकार है हम जितनी मजबूती से नींव रखते हैं उतनी ही दृढ़ता से हम अपना जायज राजनैतिक हक चाहते है।

देश के करीब 15 विधानसभा क्षेत्रों में कुमावत समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। समाज के वक्ताओं ने मांग रखी की दोनों राष्ट्रीय पार्टियां हमें 10 -10 विधानसभा तथा 1-1 लोकसभा का टिकट देकर हमारा राजनीति में प्रतिनिधित्व बढ़ाया जाए। ओबीसी आरक्षण को 21 प्रतिशत से बढ़ाकर 27% किया जाए जिसमें से 7% कुमावत समाज को मिले। इसके अलावा समाज के छात्रावास के लिए नि:शुल्क भूमि, शिल्पकार उत्थान बोर्ड, स्थापत्य कला यूनिवर्सिटी, प्रदेश की धरोहरों पर कुमावत वास्तु कारों के नाम लिखें व शिल्पकारों के नाम से डाक टिकट जारी करें। PCC सचिव मुकेश वर्मा ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत ने मुख्य मांग जातिगत जनगणना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने मंच से जातिगत जनगणना की बात लोकसभा अध्यक्ष के सम्मुख रखी। **लोकसभा अध्यक्ष माननीय श्री बिड़ला ने कहा कि** आप आज भी स्थापत्य, संस्कृति व शिल्प के रक्षक हैं। समाज बंधुओं ने न सिर्फ प्राचीन गढ़-किले और जलाशय तो गढे ही हैं, आज भी संसद भवन जैसे भवनों का शिल्प कला में कुमावत समाज का बड़ा योगदान है। उन्होंने वादा किया कि समाज का कोई बेटा-बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहता है और पैसे का अभाव है तो उसकी शिक्षा की जिम्मेदारी उनकी है साथ ही समाज का कोई व्यक्ति बीमार है इलाज का पैसा नहीं दे पा रहा है तो उसका इलाज करवाएंगे।

इस दौरान स्टेडियम खचाखच भरा हुआ था व बाहर तक अनेक समाजजन अंदर आने का इंतजार कर रहे थे।

चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष जयपुर शहर भाजपा ओबीसी मोर्चा, **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के उपाध्यक्ष रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट एवं सचिव भारती तोंदवाल तथा विजय एवं श्रीचंद खुडिया आदि का भी विशेष योगदान रहा।

इस आयोजन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निर्वहन करने वाले समाज नेता, समस्त 31 सदस्य कोर कमेटी व समाज के युवा कार्यकर्ताओं को **'कुमावत इंडिया'** मासिक पत्रिका की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद उनके अथक प्रयास से यह आयोजन हो पाया। साथ ही औरंगाबाद, मुंबई, सूरत, मध्यप्रदेश समेत अन्य राज्यों से पधारे समाज व जनप्रतिनिधि तथा आसपास से बसों व नीजि वाहनों से पधारे समाजजनों का भी धन्यवाद और आभार।

कुमावत महापंचायत की सफलता पर जताया आभार

21 मई को कुमावत महापंचायत में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने पहुंचकर इसे सफल बनाया। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष चेतन कुमावत कोर कमेटी सदस्य ने अपनी टीम चेतन धुंधारिया के साथ आसपास के गांव-गांव बैठकें आयोजित कर जागरूकता लाने के प्रयास किए थे। चेतन कुमावत ने समाज बंधुओं का महापंचायत में आने व अनुशासन के साथ एकता प्रदर्शन करने के लिए का आभार व्यक्त किया।

कुमावत महापंचायत 21 मई, 2023 की चित्रावली

डूंगरवाल परिवार ने मन्दिर और धर्मशाला के लिए 11 लाख की भूमि व 11 लाख नकद दिये

कुमावत समाज के अरंडिया निवासी भामाशाह और दानदाता श्री गणेश डूंगरवाल व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती संगीता डूंगरवाल, भाई मुकेश डूंगरवाल ने श्री मेवाड़ा कुमावत समाज चारभुजानाथ राधा कृष्ण मंदिर जयसिंहपुरा, उज्जैन को निर्माणाधीन मन्दिर और धर्मशाला के लिए 11 लाख रुपये कीमत की भूमि अपनी माताजी श्रीमती रतनबाई पति स्वर्गीय श्री शिवलाल डूंगरवाल व बड़े भाई स्वर्गीय श्री नेमिचन्द डूंगरवाल की स्मृति में दान करने की घोषणा की और 11 लाख रुपये नगद समिति के संरक्षक वरिष्ठ समाजसेवी श्री मोहनलालजी देतवाल, अध्यक्ष सत्यनारायण लाड़ना, समाजसेवी सत्यनारायणजी वोरा, रामनारायनजी देतवाल व राजेश देतवाल को भेंट किये।

समाजसेवी श्री गणेश डूंगरवाल द्वारा पूर्व में सेना के जवान अमर शहीद लोकेश कुमावत के परिवार को डेढ़ लाख रुपए की सहायता, कंजड़ में भव्य हनुमानजी का मंदिर, शालीमार टाउनशिप में भव्य मंदिर के निर्माण में सहयोग देकर अनूठी मिसाल पेश की है। विरले ही समाज व धार्मिक कार्यों के लिए इस तरह सहयोग करते है, डूंगरवाल परिवार की इन नेक कार्यों के लिए चारों ओर से प्रशंसा की जा रही है।

मजदूर की लाड़ो बनी अधिकारी

लक्ष्मणगढ़ कुमावत समाज की लाडली ने एक साथ दोहरी सफलता अर्जित कर बनाया कीर्तिमान

लक्ष्मणगढ़ 28 अप्रैल। पिता ने मजदूरी कर बच्चों को शिक्षित बना काबिल बनाया तो बच्चों ने भी मां बाप की भावनाओं के अनुरूप मेहनत कर सफलता का परचम लहराते हुए परिवार, समाज व नगर का नाम रोशन किया है ।

जी हां, ऐसा ही वाकिया लक्ष्मनगढ शहर का है। यहां के गौरीशंकर कुमावत ने मजदूरी कर परिवार का न केवल भरण पोषण किया बल्कि बच्चों को भी शिक्षित कर काबिल बनाने के लिए दिन रात मेहनत मजदूरी की। बच्चों ने भी मां बाप की भावनाओं के अनुसार स्वयं को कामयाब बना सफलता का परचम लहराया। हम बात कर रहे हैं कुमावत समाज की होनहार व लाडली बिटिया **बबिता कुमावत** की जो पहले ग्राम विकास अधिकारी के पद पर चयनित हुई और बाद में प्रगति प्रसार अधिकारी बनकर नागौर जिले में रियान बड़ी पंचायत समिति में पदभार ग्रहण किया व सफलता का परचम लहराते परिवार, समाज व नगर का नाम रोशन किया है।

बबिता कुमावत को '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से बधाई व उज्ज्वल भविष्य की कामना।

सिटी पैलेस जयपुर में पारम्परिक कलाओं का प्रशिक्षण

जयपुर के सिटीपैलेस में सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन राजपरिवार के सदस्य सवाईपदमनाभ सिंह द्वारा किया गया। इसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को जयपुर की समृद्ध कला और शिल्प से परिचित करना है। इस शिविर में युवाओं को पारम्परिक कला प्रथाओं का ज्ञान व कौशल प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इस उद्देश्य के लिए युवाओं हेतु एक आर्ट एण्ड क्राफ्ट स्कूल की घोषणा भी की जो जल्द शुरू की जाएगी। इस प्रशिक्षण शिविर में ध्रुपद, कथक, चित्रकला, बांसुरी, फेसको तथा जयपुर ब्लू पोटरी जैसी परम्परिक कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पेंटिंग का

प्रशिक्षण रामू रामदेव, हेमन्त रामदेव, **बाबूलाल मारोठिया एवं बद्रीलाल मारोठिया** द्वारा दिया जाएगा। ध्रुपद का प्रशिक्षण डॉ. मधु भट्ट द्वारा और कथक व लोक नृत्य का प्रशिक्षण डॉ. ज्योति भारती गोस्वामी, बांसुरी आर.डी. गौड़ और केलीग्राफी अशोक द्वारा दी जाएगी। फ्रेसको (अराइश) का प्रशिक्षण **डॉ. नाथूलाल वर्मा** द्वारा तथा जयपुर ब्लू पोटरी की बारीकियां गोपाल सैनी और सुश्री गरिमा सैनी द्वारा सिखाई जाएंगी।

अनुराधा कुमावत को पीएचडी की उपाधि

एपेक्स यूनिवर्सिटी की ओर से अनुराधा कुमावत को पीएचडी प्रदान की गई। इन्हें यह उपाधि 'उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के जीवन मूल्यों व उनकी अभिवृत्ति पर मीडिया के प्रभाव का अध्ययन' विषय पर शोध के लिए दी गई। इन्होंने शोध कार्य प्रो. कल्पना सेंगर के निर्देशन में पूर्ण किया है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

अभिलाषा कुमावत को PhD की उपाधि

श्रीमती अभिलाषा कुमावत पत्नी श्री अविनाश बातरा द्वारा ''**उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों पर ऑन लाईन शिक्षा से मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन पर होने वाले प्रभाव**'' विषय पर डॉ. खेलशंकर व्यास के निर्देशन में शोध किया गया। पेसेफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर ने श्रीमती अभिलाषा कुमावत को PhD. की उपाधि दी है। इस दौरान अभिलाषा ने अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों को भी बखूबी निभाया है।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका की ओर से डॉ. अभिलाषा कुमावत को बधाई।

गरिमा कुमावत ने 9 बार पास की यूजीसी नेट परीक्षा

सवाईमाधोपुर जिले की गरिमा कुमावत पुत्री श्री एस.एन. कुमावत ने 9 बार यूजीसी नेट परीक्षा पास कर समाज का नाम गौरवान्वित किया है। आपने राजनीतिक विज्ञान में 7 बार व पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन तथा डिफेंस एण्ड स्टेटेजिक स्टडीज में एक-एक बार परीक्षा पास की है। वह पुलिस यूनिवर्सिटी जोधपुर से पीएचडी भी कर रही हैं। गरिमा ने राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी, गांधीनगर, गुजरात में टीआरओ के पद पर पदभार ग्रहण किया है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से गरिमा कुमावत को हार्दिक बधाई।

श्री राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज, इंदौर

समाज की भूमि पर गार्डन, खेल परिसर, छात्रावास की नीव रखी गयी

23 अप्रैल 2023 का दिन श्री राजस्थान क्षत्रिय कुमावत समाज, इंदौर के लिए बड़े ही गर्व का रहा। समाज के वरिष्ठ सदस्य, नवयुवक मंडल सदस्य व महिला मंडल सदस्य उपस्थित हुए। यहां पर गार्डन, खेल परिसर, स्कूल, छात्रावास, मैरिज गार्डन तथा क्रिकेट ग्राउंड बनाने की नींव रखी गई तथा समाज की जमीन पर समाज के नाम का बोर्ड लगाया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने राजकीय विद्यालय भवन के लिए 4 लाख सहयोग किया

सी.एम. हॉस्पिटल, जयपुर के डॉ. राजेन्द्र कुमावत ने मण्डाभीमसिंह कस्बे स्थित महात्मागांधी राजकीय विद्यालय को भवन निर्माण हेतु 4 लाख रुपए सहयोग राशि दी। इसके प्रेरक दुलीचन्द कुमावत व. अध्यापक रहे। प्रधानाचार्य शंकरलाल कुमावत, विद्यालय परिवार एवं ग्रामवासियों ने डॉ. कुमावत एवं उनके पिता छीतरमल घोड़ेला का आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर छोटेलाल छापोला, प्रभुदयाल घोड़ेला, रामगोपाल बासनीवाल, आनन्दी लाल डबरिया, सत्यनारायण छापोला आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नरेश ने जुड़ो में जीते दो गोल्ड

नरेश कुमावत पुत्र श्री ओमप्रकाश कुमावत, राजस्थान कुमावत युवाशक्ति के पूर्व जिला अध्यक्ष नागोर ने जिला स्तरीय जुडो प्रतियोगिता में 2 गोल्ड मेडल जीतकर समाज का नाम रोशन किया है। हार्दिक बधाई व उज्जवल भविष्य की कामना।

चित्तौड़गढ़ का नमन कुमावत अब खेलेगा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर

ऑल इण्डिया नेशनल क्रिकेट टी-20 चैम्पियनशिप मडगांव, गोवा में 25-28 अप्रेल, 2023 को हुई। इस प्रतियोगिता में एनसीआर क्रिकेट एसोसिएशन उपविजेता रही, इसके ऑलराउन्डर खिलाड़ी **नमन कुमावत** ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का परिचय दिया। उनके इस प्रदर्शन से कमेटी ने नमन कुमावत का चयन **अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए** किया है, जो श्रीलंका में होगा। नमन के पिता राधेश्याम कुमावत पुलिस विभाग में हैडकांस्टेबल हैं। नमन ने इसका श्रेय माता-पिता तथा प्रशिक्षक को दिया है।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से नमन कुमावत को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

प्रीति कुमावत पुत्री श्री बाबूलाल, लक्ष्मणगढ, सीकर का CA बनने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई व शुभकामनाएँ।

अहंकार है व्यक्तित्व की बाधा

ईश्वर ने हमें एक निर्मल मन व मस्तिष्क के साथ इस धरा पर भेजा है। धार्मिक ग्रन्थों तथा संतों द्वारा कहा गया है कि इस संसार में जब एक बालक का विकास होता है तो वह उसके माता-पिता तथा परिवार के संस्कार ग्रहण करता है। जहाँ सत्य, प्रेम, निस्वार्थ सेवा जैसे संस्कार होंगे वहां एक बच्चा उन्हें ग्रहण अवश्य करेगा।

इस जग में अनेक बुराईयां भी व्याप्त है जो हमारे व्यक्तित्व में बाधक है इनमें हम काम, क्रोध, मोह, लोभ और स्वार्थ मुख्य रूप से मान सकते हैं। यह व्यक्ति को आकर्षित करती है। जब व्यक्ति इनसे घिर जाता है तो अहंकार का आगमन व्यक्तित्व आ जाता है। 'अहंकार' दीमक की तरह हमारे अन्दर के गुणों को क्षीण करता है तथा अहंकार की चरम स्थिति होने पर व्यक्ति का बुद्धि और बल दोनों का हरण हो जाता है। वह प्रतिस्पर्धा करके स्वयं को अव्वल देखने का आदि हो जाता है। उसका स्वभाव धन-सम्पत्ति के संग्रह करने व इसके लिए अपराध तक करने का हो जाता है। वह नैतिकता और अनैतिकता का अंतर भूल जाता है। उसकी इस प्रवृत्ति के प्रथम शिकार परिवार तथा समाज होते हैं। अब इनसे उसके रिश्ते डर या भय के कारण ही होते है अर्थात् आत्मियता के नहीं।

ऐसे व्यक्ति का भविष्य अच्छा नहीं होता बल्की वह अपने परिवार का भविष्य भी खराब कर देता है। जब अवसर आता है तो उससे पीड़ित लोग खुलकर सामने आ जाते हैं और फिर वह व्यक्ति कहीं का नहीं रह जाता। इसलिए धन संचय की प्रवृत्ति ठीक नहीं। भारतीय संस्कृति में इसीलिए दान देने का महत्व रहा है। दान से जहां संतुष्टि मिलती है वहीं सदियों तक दानदाता का यश रहता है साथ ही सार्वजनिक व धार्मिक उपयोग की सम्पत्ति का सृजन होता है। घर आए मेहमान को खाना/नाश्ता/चाय-पानी की व्यवस्था मन से करें तो उनकी शुभकामना मिलती है। मेरी माँ स्व. श्रीमती सुशीला ऐसा करती थी उसे आज भी सभी लोग याद करते हैं।

इस जीवन में उन्हीं लोगों के व्यक्तित्व की वृद्धि होती है जो अहंकार रहित रहकर निस्वार्थ भाव से विनयशील रहकर प्रेम और सत्य के साथ सेवा करते हैं। तब ही उसके व्यक्तित्व में सद्गुणों का और विकास होता है तथा ऐसे व्यक्ति को समाज सदैव याद रखता है।

- अमिता कुमावत

बात पते की

ध्यान दें : बच्चे गलत संगत में न फंसे

बच्चे स्वभाव से सरल व भोले होते हैं। जब बच्चे थोड़ा बड़ा होकर स्कूल जाने लगे या घर के बाहर खेलने जाने लगे तब उनका ध्यान रखना जरूरी होता है कि बच्चे किन से बात करते हैं, कब जाते हैं व लौटते हैं, वे अपना समय कैसे व्यतीत करते हैं, उनकी दिनचर्या क्या है, मोबाइल फोन, इन्टरनेट व सोशल मीडिया पर वे क्या कर रहे हैं। कुछ बच्चे गलत लोगों की दोस्ती व संगत में पड़ जाते हैं तथा जो उनसे गलत काम कराने लगते हैं। थोड़ी सावधानी से यह पता लग जाता है। यदि बच्चे गलती कर रहे हैं तो उन्हें प्यार से समझाये न की मारे-पीटे या सख्ती से डांट-डपट करें। न तनाव दें, न अन्य से उनकी तुलना करें। उन्हें समझाये कि गलत संगत में फंसने से उनका भविष्य खराब हो सकता है। टी.वी., मोबाइल, फोन, इन्टरनेट, फेसबुक बच्चों के लिए ठीक नहीं हैं। उन्हें इनका उपयोग नहीं करने दे, यदि जरूरी हो तो मो. फोन व इन्टरनेट अपनी उपस्थिति में उपयोग में लेने देवे। यदि बच्चे थोड़े बड़े-बड़े हो गये तो उनके फोन को चेक करते रहें।

बच्चों को कहें कि वे अपनी कक्षा के बच्चों को दोस्त बनाएं, अनजान बच्चे या व्यक्ति को नहीं। बच्चों के साथ समय बिताएं तथा उन्हें क्रिएटिव कार्य करने को प्रोत्साहित करें। बच्चों की रुचि जानें तथा उन्हें उस फील्ड में आगे बढ़ने देवें पर निगरानी अवश्य रखें।

आजकल वीडियो गेम्स तथा ऑनलाइन गेम्स आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं, इनसे बच्चों को दूर ही रखे तो अच्छा है। हाँ, उन्हें घर के आँगन तथा आसपास खेलने से नहीं रोकें। आपकी जानकारी में ऐसे बच्चे जो गलत संगत में पड़ गये हो, उनसे अपने बच्चों को दूर ही रखे व उनसे सम्पर्क नहीं करने के बारे में समझाइश करें।

यह सब करते हुए ध्यान दे कि आपकी बातों तथा निगरानी से बच्चे के कोमल मन-मस्तिष्क पर नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़े। यदि नकारात्मक प्रभाव का अहसास हो तो स्वयं को तरीका बदलना होगा। माता-पिता दोनों यदि जॉब कर रहे हैं तो उन्हें बच्चों पर निगरानी पर विशेष ध्यान देना होगा। **- खेमचन्द खड़गटा**

श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति, जयपुर का चुनाव-कार्यक्रम घोषित

श्री कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति, जयपुर की कार्यकारिणी के चुनावों के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी श्री भागचन्द वर्मा (बैरा) ने 5 मई 2023 को चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया। इसे चुनाव कार्यालय के सूचना-पट्ट पर चस्पा कर दिया गया।

इसके अनुसार 4 जून 2023 को कार्यकारिणी के 16 सदस्यों के लिए मतदान होगा व 5 जून 2023 को कार्यकारिणी के 5 पदाधिकारियों को चुना जावेगा। विस्तृत जानकारी के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी श्री भागचन्द वर्मा (बैरा) मोबाईल न. 9314504799 से सम्पर्क किया जा सकता हैं।

सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

चौथ का बरवाड़ा, सवाईमाधोपुर। पीपल पूर्णिमा, 5 मई, 2023 को चौथ का बरवाड़ा में प्रथम सामुहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन कुमावत क्षत्रिय समाज एवं धर्मशाला विकास समिति के तत्वावधान में हुआ। इसमें क्लीन शेव दुल्हे ही पात्र थे। गाजे-बाजे के साथ बारात निकाली गई एवं उल्लासपूर्वक वरमाल सम्पन्न हुई। सम्मेलन में 8 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे।

चाकसू। 29 अप्रेल, 2023 को श्री कुमावत क्षत्रिय समाज द्वारा चतुर्थ सामुहिक विवाह का आयोजन गाजे-बाजे के साथ धूमधाम से किया गया। इसमें 14 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे। नवदम्पत्तियों को आशीर्वाद देने स्थानीय विधायक, राज्य महिला आयोग अध्यक्षा, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका के रमेश गैदर, भारती तोंदवाल चेतन बालोदिया व रमेश वर्मा भी पहुंचे।

छोटी सादड़ी। 23 अप्रेल 2023 आखातीज के दिन गाडरियावास (छोटी सादड़ी) में 35 गांवों का प्रथम सामुहिक विवाह सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ, इसमें 12 हजार समाजबंधु सम्मिलित हुए। इस ऐतिहासिक सम्मेलन की सुनियोजित व सुगम व्यवस्था वहां के 35 पंचों की एकता एवं मेहनत का परिणाम थी। ये सभी गांव खेती-किसानी में लगे हुए हैं।

निम्बाहेड़ा निवासी रमेश चन्द जी कुमावत के यहां से हेलीकॉप्टर से चारभुजाजी की बारात तुलसीमात की तैयारी के साथ आई। बारात की भव्यता व बिन्दोरी की छटा देखते ही बनती थी। इस समारोह में सांसद व विधायक भी सम्मिलित हुए। सम्मेलन में 10 हजार से अधिक लोगों ने स्नेहभोज का आनन्द लिया। इस आयोजन में 23 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे।

नाशिक में 11वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन सम्पन्न

16 अप्रेल 2023 को नाशिक (महाराष्ट्र) में 11वाँ युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें अत्यधिक संख्या में समाजजनों ने भाग लिया जो संचालन समिति की कड़ी मेहनत का परिणाम था। श्री कैलाश सेठ परदेशी संचालनकर्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि श्री मुंडावरे, कामरेड पंडित राव कुमावत तथा सौ. स्वातिताई माचीवाल ने अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मेलन में नाशिक क्षेत्र के निवासरत कुमावत समाज द्वारा प्री-वेडिंग शूट करने पर 21 हजार रुपए सामाजिक दण्ड लगाने का निर्णय किया गया।

गर्मी में रखें सेहत का ख्याल

- रमेश वर्मा

गर्मी के मौसम में शरीर में मौजूद पानी का एक बड़ा हिस्सा पसीने के रूप में शरीर से बाहर निकल जाता है। इसके कारण शरीर के तापमान को नियंत्रित करने वाला थर्मोस्टेट सिस्टम ठीक प्रकार से काम नहीं कर पाता और लोगों को तेज बुखार, सांस में तकलीफ, उल्टी-दस्त, सिर दर्द तथा बार-बार प्यास लगने जैसी स्थिति हो जाती है। इससे शरीर में कमजोरी महसूस होती है। इसे लू लगना कहा जा सकता है। इसके प्रभाव से ब्लड प्रेशर कम हो जाता है तथा हार्ट व ब्रेन स्टोक का खतरा बढ़ जाता है।

इससे बचाव के लिए गर्मी के दिनों में बार-बार मटके का पानी पीना चाहिए। ठंडे पेय पदार्थ जैसे लस्सी, घर पर बना शर्बत, नीबू की शिकंजी, छाछ, दही, सत्तू का सेवन करना चाहिए। लू से बचाव के लिए बाहर जाने पर पूरे आस्तीन का शर्ट पहने, लूज कपड़े पहने, सिर को कपड़े से ढकना उचित रहता है तथा छाते का इस्तेमाल करें।

यदि आप गर्मी के मौसम में अपनी छुट्टियां बिताने या किसी अन्य कारण से सफर कर रहे हैं तो रेलवे प्लेटफार्म या बस स्टैण्ड पर उपलब्ध खान-पान की वस्तुओं समोसा, कचोरी तथा जंक फूड नहीं लेवें। पानी भी सील बन्द हो तो ही लें। हो सके तो पानी घर से ही अपने साथ लेकर चलें। डीहाईड्रेशन की समस्या से बचने के लिए इलेक्ट्रॉल तथा ओआरएस तथा कुछ मेडिसिन भी अवश्य अपने साथ रखें। फल लेना ठीक है पर ध्यान दें कि फल सड़े-गले नहीं हों तथा साफ पानी धोकर ही खाएं।

इन सावधानियों को बरतकर आप गर्मी में सेहत का ख्याल रख पाएंगे तथा अनावश्यक समस्याओं से बच पाएंगे।

निर्जला एकादशी

ज्येष्ठ माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी आती है। इस बार 31 मई, 2023 को निर्जला एकादशी है। माना जाता है कि सभी एकादशियों में निर्जला एकादशी श्रेष्ठ होती है तथा इसका व्रत करने वालों को 24 एकादशियों का फल प्राप्त होता है। इसमें पानी पीना वर्जित होता है। इस दिन दान करने से लाभ मिलना माना गया है। दान में पानी का मटका भरकर देना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वस्त्र, अनाज, फल, नमक तथा तिल का दान किया जाना चाहिए।

निर्जला एकादशी का व्रत करना बहुत कठिन है, यह मन पर संयम करना सिखाता है जो हमें नई ऊर्जा देता है। साथ ही जल की बूंद-बूंद का हमारे जीवन में क्या महत्व है यह महसूस होता है। इसे स्त्री व पुरुष दोनों ही कर सकते हैं।

आयुर्वेद में स्वास्थ्य विज्ञान एवं ग्रीष्म ऋतु

आयुर्वेद में मनुष्य जीवन को समग्र रूप से दृष्टि रखकर स्वास्थ्य विज्ञान विकसित किया गया, इसका उद्देश्य है (i) रोगग्रस्त व्यक्ति का उपचार करना तथा (ii) स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य का संरक्षण करना। यह सही है कि रोग उत्पन्न ही न हो जिससे उसके निदान की जरूरत ही न पड़े। इसके लिए आसन, व्यायाम, योग, प्राणायाम के अलावा ऋतु अनुसार आचरण करना तथा आहार-विहार करना जरूरी है। कहा गया है **''जैसा खाये अन्न वैसा रहे मन।''**

आयुर्वेद में प्रत्येक दो माह की एक ऋतु मानी गयी है। शिशिर, बसन्त और ग्रीष्म ऋतु को **उत्तरायण** तथा वर्षा, शरद और हेमन्त ऋतु को **दक्षिणायन** कहा गया। **उत्तरायण काल** में सूर्य उत्तर की ओर होता है तथा पृथ्वी पर सूर्य की प्रखर किरणें सीधी पड़ने से वातावरण शुष्क, वायु रूक्ष हो जाती है तथा प्राणियों का बल क्षीण हो जाता है। **दक्षिणायन काल** में वर्षा से सूर्य की किरणों का तेज कम होता है तथा धरती पर नमी हो जाती है। चन्द्रमा की शीतल किरणों का प्रभाव बढ़ जाता है। पृथ्वी पर जल की वृद्धि होने से प्राणियों के बल में वृद्धि हो जाती है। ऋतु परिवर्तन से वात, पित्त व कफ दोष होते हैं, इसका शमन ऋतु अनुकूल खान-पान एवं चिकित्सा से किया जाता है।

अभी ग्रीष्म ऋतु का प्रभाव व्याप्त है। इस बारे में आयुर्वेद में निम्न जानकारी है:-

ग्रीष्मकाल में पृथ्वी का तापमान 40-45 डिग्री तक पहुंच जाता है। शरीर से पसीने आते हैं बच्चों व बुजुर्गों का जी घबराने लगता है तथा बार-बार प्यास लगती है तथा पानी की कमी से डीहाईड्रेशन होने से उल्टी-दस्त हो जाते हैं। शरीर का बल क्षीण हो जाता है। ग्रीष्म में वात दोष होता है तथा कफ का शमन होता है। हमें अपने खान-पान में दूध, दही, छाछ, लस्सी, चावल, शर्बत, केरी का पना, सत्तु का सेवन करना चाहिये। मटके का शीतल (ठण्डे) जल का सेवन करना चाहिये (बर्फ के पानी का नहीं)। जहाँ तक हो सके घर में रहें तथा धूप में बाहर न निकलें। सूती व हल्के कपड़े पहने किन्तु बाहर जाना हो तो पूरी आस्तिन की कमीज पहनें। गर्मी से शरीर को ठण्डा रखने के लिए तैराकी करें व नित्य स्नान करें। सुबह की सैर थोड़ा जल्दी उठकर करें।

ग्रीष्म ऋतु में चटपटे, मसालेदार व उष्ण भोजन, पदार्थों, फास्टफूड, रसायन से बने शीतल पेय (Cold Drinks), शराब तथा बासी खाने का सेवन नहीं करें। ऋतु विपरीत पदार्थों का सेवन नहीं करें, बोलचाल में कहा गया है—

चैते गुड़ बैशाख तेल, जेठ पंथ आषाड़क बेल।
सावन पात, भादो दही, क्वार करेला कार्तिक मही।
अगहन जीरा, पूसे धनिया, माघे भिण्डी, फागुन चना।
जो यह बारह देत बचाय, ता घर वैद्य कभी न जाय।

ध्यान रखें बचाव ही उपाय है। ऋतु अनुकूल आहार-विहार से हम रोगों से बचाव कर सकते हैं, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकते हैं तथा विषाणु व संक्रमण जन्य बीमारियों से बचकर दीर्घायु तक इस संसार का स्वस्थ रहकर आनन्द ले सकते हैं। इससे आपको अपने बच्चों व परिवारजनों से सेवा की जरूरत कम पड़ेगी। इसीलिए कहा गया है कि **''पहला सुख निरोगी काया।''**

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग भवेत।

अर्थात सभी जन सुखी हो, सभी जन निरोग हो, सभी जन भद्र/श्रेष्ठ हों तथा इस संसार में कोई भी दुःखी नहीं रहे।

संकलन - 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

समर्थता के साथ सहिष्णुता

आमतौर पर समझा जाता है कि जो अपनी शक्ति, पद, वैभव, प्रतिष्ठा का प्रदर्शन जितना अधिक बढ़-चढ़कर कर सकता है, वही व्यक्ति बड़ा होता है। पद, प्रतिष्ठा और वैभव का प्रदर्शन समीपवर्ती लोगों में थोड़ी देर के लिए भले ही बड़प्पन की धाक जमा दें, परंतु महानता इससे सर्वथा भिन्न बात है। तथाकथित, बड़प्पन और महानता में यह अंतर है कि एक में व्यक्ति अपने मिथ्या अहंकार का प्रदर्शन कर क्षुद्रता का ही परिचय देता है, जबकि दूसरे में व्यक्ति अपने गौरव का ध्यान रखते हुए अपनी विभूतियों का सत्प्रयोजन के लिए ही उपयोग करता है और जहाँ कहीं क्षुद्रता से सामना करना पड़ता है, वहाँ भी आवेश में न आकर शांत और गंभीर ही बना रहता है।

शक्तिवान होने का अर्थ यह नहीं है कि अपने से कम शक्तिशालियों का उत्पीड़न किया जाए अथवा जहाँ-तहाँ उसका प्रदर्शन कर अपने व्यक्तित्व को हलका और ओछा बनाया जाए। **शक्ति परमात्मा की देन है, विभूति है और उसका उपयोग केवल अवांछनीयता के उन्मूलन या दमन के लिए ही किया जाना चाहिए।** बुद्धिमान व्यक्ति इस तथ्य को भली भाँति समझते हैं और अपनी शक्ति का वहीं उपयोग करते हैं, जहाँ उसकी उपरोक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता पड़ती है; अन्यथा वे इतने धीर, गंभीर बने रहते हैं कि किसी को उनके विभूतिवान होने का पता ही नहीं चलता।

कहा गया है कि **क्रोध को मन में और स्नेह को आँखों में रखना चाहिए।**

-मेघना कुमावत, उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा, भाजपा सिविल लाइन मंडल, जयपुर।

विश्व साईकल दिवस 3 जून

साईकल एक सरल,सस्ता, प्रदूषण रहित, साहस व रोमांच से भरपूर परिवहन का साधन है। इसे कच्ची-पक्की सड़कों, पगडण्डियों तथा सकड़े रास्तों/गलियों में भी चलाया जा सकता है। यह शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा साधन है। कुछ दिन अभ्यास कर गिरते-पड़ते हुए इसे सीखा जा सकता है। जब कोई साईकल चलाना सीख जाता है तो उसे बहुत खुशी होती है। क्योंकि अब खुली हवा में बड़ी ही उमंग के साथ साईकल की सवारी का आनन्द लिया जा सकता है।

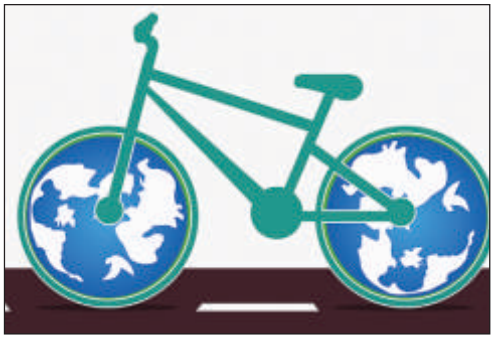

साईकल चलाने के लाभ : साईकल चलाना अच्छा व्यायाम है,यह पांव की हड़िडयों एवं मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाता है एवं उनमें लचीलापन लाता है। यह शरीर की चर्बी को कम कर व्यक्ति को स्लीम बनाता है। हृदय, फेफड़ों तथा बाजुओं के लिए भी साईकल चलाना अच्छा रहता है। इससे तनाव घटता है तथा एकाग्रता में वृद्धि होती है। बच्चों की लम्बाई बढ़ाने में साईकल राईड सहायक मानी गयी है। इससे भूख भी अच्छी लगती है व सम्पूर्ण शरीर की ग्रोथ व इम्यूनिटी ठीक होती है तथा बॉडी पाश्चर और समन्वय में सुधार होता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने साईकल की विशिष्टता, शक्ति, स्थायित्व और बहुमुखी उपयोग को पहचान कर तथा सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभों को मध्यनजर रखकर वर्ष 2018 से विश्व साईकल दिवस 3 जून को मनाने का निर्णय लिया। इसे हर वर्ष मनाने से तथा उस दिन साईकल के उपयोग के लाभों पर चर्चा करने से इसका उपयोग बढ़ेगा, सड़क सुरक्षा में सुधार होगा, साईकल चलाने की गतिशीलता को संरक्षित किया जाकर बढ़ावा दिया जा सकेगा। अनेक देशों ने इसका महत्व पहचाना तथा साईकल चलाने के लिए सड़क पर अलग लेन बनायी गई, हमारे देश में अनेक शहरों में ऐसी व्यवस्था है। डेनमार्क में 10 में से 9 लोगों के पास साईकल है।

साईकल राइड लोगों को एकसाथ लाता है जो सामाजिक समावेश व शांति की संस्कृति को बढ़ाता है। अन्य उत्साही लोगों के साथ मार्ग और साहस की भावना साझा होती है। ट्रेफिक जाम से बचा जा सकता है। वायु व ध्वनी प्रदूषण रहित परिवहन का सुलभ साधन ''साईकल'' का उपयोग बढ़ाकर हम हमारी पृथ्वी को बचा सकते हैं। कुछ विद्वानों ने साईकल के लिए निम्न वाक्य कहे हैं:-

Life is like riding a bicycle. To keep your balance, you must keep moving.
-Albert Einstein

Learn to ride bicyle. You will not regret it if you live.
-Marks Thaen

अब हाईटेक साईकल आने लगी है जिनमें गियर सिस्टम है। बेटरी चालित साईकल भी उपलब्ध हो गयी है। भीड़भाड़ वाले ट्रेफिक से बचने, पार्किंग समस्या, पर्यावरणयी चेतना तथा बढ़ते ईंधन पर खर्च के कारण लोग अब साईकल के महत्व को पुन: समझकर साईकल को अपनाने लगे हैं। ***जो मजा साईकल में है वह अन्यत्र कहाँ?*** साईकल का महत्व निम्न प्रकार बताया गया है-

जब मुझे साईकल चलाना आया,
तब उमंग का अंदाज लगा न पाया।
साईकल ने मुझे गिरना व उठना सिखाया,
दोस्तो संग खुली हवा में मस्ती करना बताया।
साईकल की सवारी है अनूठी,
इसने जिदंगी जीना सिखाया।

- आर.सी. कुमावत

पहले सामान्य सी परीक्षा में असफल रहे आज उनमें से कई कैरियर में सफल

आपको अनेक ऐसे उदाहरण मिल जायेंगे कि जो व्यक्ति मैट्रिक, ग्रेजुएशन आदि परीक्षाओं में फेल हो गये किन्तु उनमें से अनेक आज सफल ब्यूरोक्रेट या व्यवसायी हैं। एक परीक्षा में फेल होना स्वयं का सच्चा परीक्षण नहीं है। हो सकता है कि किसी कारण से आपका पेपर अच्छा नहीं हुआ हो। कई IAS, IPS तथा प्रशासनिक अधिकारी आदि परीक्षाओं में भी एक नहीं बल्की 2-3 बार असफल रहे, उनमें से कई आगामी प्रयास में सफल रहे हैं। जरूरत है लक्ष्य के अनुसार निरन्तर मेहनत करने की। संयम रखें, हमारी मेहनत एक दिन अवश्य सफलता दिलायेगी। आप अपना आंकलन स्वयं करें, जहां कमी रही उसे सुधारे, हो सके तो ग्रुप डिस्कशन करें, किसी विषय की कोचिंग लेनी हो तो परहेज न करें। यदि अनेक प्रयास में सफल नहीं रहें तो भी अन्य कार्य में यह अनुभव काम अवश्य आयेगा और हो सकता है आप सफल व्यापारी/व्यवसायी बन जायें। एक अच्छा पढ़ा-लिखा व्यक्ति आज व्यवसाय में होना जरूरी है विशेषकर एक्सपोर्ट व्यवसाय में, जो कानूनी पेचीदगियों, तकनीक, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं से सहयोग लेकर व्यवसाय को बढ़ा सके। एक्सपोर्ट व्यवसाय में अंग्रेजी भाषा की जानकारी वाले व्यवसायी अधिक सफल रहते हैं, क्योंकि सरकारों के द्वारा जारी परिपत्र, अधिसूचना, गाईडलाईन्स, अधिकांशत: अंग्रेजी भाषा में होती है। साथ ही विदेश में बातचीत करने में अंग्रेजी भाषा ज्ञान कारगर सिद्ध होता है।

इसलिए एक फील्ड से हताश न हों, अन्य रास्ते भी खुले रहते हैं, जहां सफलता आपका इन्तजार कर रही होती है। **-सी.एम. कुमावत**

एमनेस्टी स्कीम-2023

(वाणिज्यिक कर विभाग की बकाया मांगों के निस्तारण हेतु)

वित्त विभाग राजस्थान ने 10 फरवरी 2023 को बकाया मांग के सेटलमेंट के लिए टेबल में छूट तथा विवादित मांग के लिए एमनेस्टी स्कीम-2023 जारी की है जो 30 सितम्बर, 2023 तक प्रवृतित रहेगी। इस स्कीम के तहत दिनांक 30.6.2017 तक की बकाय व विवादित मांग सम्मिलित की गई है।

इसमें लाभ लेने के लिए व्यवसायी को अपनी सहमति इलेक्ट्रोनिक माध्यम से विभागीय वेबसाइट पर कर निर्धारण अधिकारी को निर्धारित फेज I (30 जून, 2023 तक), फेज II (1.7.23 से 31.7.2023 तक) तथा फेज III (1.8.23 से 30.9.2023 तक) देनी होगी। योजना के तहत टैक्स में प्रशमन राशि या टेक्स के बदल एकमुश्त राशि तथा कर मुक्ति शुल्क भी शामिल माना जाएगा।

स्कीम के तहत टैक्स, ब्याज, शास्ति तथा विलम्ब शुल्क में छूट का प्रावधान किया गया है।

क्र.	मांग की श्रेणी	शर्त	छूट का विवरण
1.	मांग रु. 1 लाख से कम की एकल बकाया प्रविष्टी	लागू नहीं	टैक्स ब्याज, शास्ति तथा विलम्बर शुल्क में पूर्ण छूट, साथ ही अब तक अर्जित ब्याज की छूट
2.	बकाया घोषणा पत्रों संबंधी मांग (क्रम सं. 1 को छोड़कर)	(अ) आवेदक को अन्तर्राष्ट्रीय बिक्री के इन्वाइस तथा प्राप्त भुगतान का प्रमाण मय अण्डर -टेकिंग देना है। (ब) उपर्युक्त (अ) में सम्मिलित नहीं रहे मामलों में निम्नानुसार अंतर कर जमा कराना होगा। (i) फेज-I 10% (ii) फेज-II 15% (iii) फेज-III 20%	टैक्स ब्याज, शास्ति तथा विलम्बर शुल्क में पूर्ण छूट, साथ ही अब तक अर्जित ब्याज की छूट शेष अंतर कर, पूर्ण ब्याज तथा विलम्ब शुल्क मय अब तक अर्जित ब्याज
3.	बकाया मांग/विवादित राशि 25 करोड़ तक यदि केवल ब्याज संबंधी है।	ब्याज राशि का निम्नप्रकार जमा जमा कराना होगा (i) फेज-I में 30% (ii) फेज-II में 35% (iii) फेज-III में 40%	शेष ब्याज तथा अब तक अर्जित ब्याज में छूट देय होगी
4.	बकाया मांग या विवादित मांग जो टेगल के क्र.सं. 1, 2 व 3 में कवर नहीं है, तो	निम्न टेक्स राशि जमा करानी होगी (i) फेज-I में 20% (ii) फेज-II में 25% (iii) फेज-III में 30%	शेष कर तथा पूर्ण ब्याज, शास्ति तथा विलम्ब शुल्क मय अब तक अर्जित ब्याज में छूट होगी

डीलर की सहमति मिलने के बाद कर निर्धारण अधिकारी फाइनल राशि की मांग फेज I, II व III में करेगा, जिसे 10 दिवस में या फेज अवधि के अंतिम दिन तक जमा करानी होगी। यदि डीलर इस फाइनल मांग को आगामी फेज में अदा करता है तो उसे उस फेज के तहत पात्र ही मान कर और राशि जमा करानी होगी।

डीलर उक्त टेबल में उल्लेखित लाभ के बजाए किश्तों में राशि अदा करने का विकल्प ले सकता है।

क्र.सं.	जहां राशि उपर्युक्त टेबल जमा कराने योग्य थी	अधिकतम किश्तें
1.	50 लाख तक	4
2.	50 लाख से 1 करोड़ तक	5
3.	1 करोड़ से अधिक	6

कर निर्धारण अधिकारी द्वारा फाइनल मांग बताये जाने से 10 दिवस में अथवा उस फेज की अंतिम तिथि जो बाद में हो तक प्रथम किश्त अदा करनी होगी तथा 30 दिन बाद आगामी किश्त

क्रमश: देनी होगी।

यदि व्यवसायी द्वारा कोई राशि इस स्कीम को जारी होने से पूर्व जमा करायी हो तथा उसका समायोजन अभी नहीं दिया गया हो तो पहले यह समायोजित की जायेगी इसमें किसी भी न्यायालय के निर्देशों के अनुक्रम में जमा राशि भी सम्मिलित है। यदि किसी विवादित मांग के लिए न्यायालय/करबोर्ड/अपीलीय प्राधिकारी के यहां प्रकरण लम्बित है तो स्कीम का लाभ लेने के लिए व्यवसायी स्वयं या विभाग उस प्रकरण को विथड्रा करना होगा तथा इस बाबत अण्डरटेकिंग देनी होगी। जहां विभाग ने बकाया मांग के लिए किसी व्यवसायी के विरुद्ध प्रोशिक्यूशन दायर कर रखा है, वह व्यवसायी भी स्कीम के प्रावधान के तहत आवेदन कर सकेगा तथा कर निर्धारण अधिकारी उस केस को विथड्रा करेगा। यदि अलग-अलग अधिनिमों के तहत मांग बकाया है तथा अलग-अलग कर निर्धारण अधिकारियों के पास बकाया है तो पृथक-पृथक सहमति (Willingness) देनी होगी। दिनांक 30.6.2017 तक सृजित मांग यदि व्यवहारी द्वारा विलम्ब से जमा करायी गयी है तो विलम्ब से मांग जमा पर देय ब्याज अभी सृजित नहीं भी हुआ है तो व्यवहारी उसकी माफी हेतु इस स्कीम में आवेदन कर सकते हैं।

एमनेस्टी सकीम 2022 के तहत आवेदन किये प्रकरण जिनका निस्तारण बकाया है, उन्हें स्वत: ही फेज प्रथम के लिए पात्र माना जाएगा।

इस सम्बन्ध में कोई भी विवाद हो तो आयुक्त वाणिज्य कर विभाग का निर्णय अंतिम होगा।

नोट : अधिक जानकारी के लिए वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना 10 फरवरी, 2023 देखें अथवा वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क करें। **- रमेश गैदर (कुमावत)**

योग अपनाए स्वस्थ रहे

असाध्य रोगों का हुआ इलाज

मदनगंज-किशनगढ़ में प्रभुदयाल तुनगरिया के द्वारा 12 वर्षों से योग-प्राणायाम की सेवाएं दे रहे है।

पिछले अंक में आपने इनके बारे में पढ़ा कि एक महिला नींद नही आने से परेशान थी। रात को दो-दो गोली लेने के बाद भी उसे 3 बजे तक नींद आती थी। नियमित योग क्लास से उसे बहुत लाभ हुआ।

अब आप पढिये ऐसे ही अन्य उदाहरण:-

1. कुमावत समाज की एक बालिका करीब दो वर्षों तक दवाईयां ले-लेकर परेशान हो चुकी थी। वह श्री प्रभुदयाल तुनगरिया योग शिक्षक से मिली। उसे योग क्लास में आने की सलाह दी। उस बच्ची ने नियमित योग क्लास ज्वाइन की ओर स्वस्थ हुई। उसकी दवाईयां बिलकुल बंद हो चुकी है तथा वह स्वस्थ है। तुनगरिया ने बताया कि दवाई के साइड इफेक्ट से अन्य परेशानियां हो रही है। जहां तक हो सके दवाइयों से बचे और प्रात:काल व शाम योग-प्राणायाम करके अदभुत चमत्कारी लाभ लेवे।

2. जाजोता, रूपनगढ़ की एक पूर्व महिला सरपंच उठ नहीं पाती थी तथा उसे दीवार का सहारा लेना पडता था, वह बहुत तकलीफ में थी। जाजोता रूपनगढ़ में 7 दिन का योग शिविर लगाया गया था उस क्लास में योग प्राणायाम का महत्व व आसन के बारे में बताया गया। उस महिला ने भी शिविर में योग प्राणायाम किया तथा बाद में भी जारी रखा इससे उसे बहुत लाभ हुआ तथा वह स्वयं आसानी से खडी होने लगी। वर्षों बाद एक दिन जब वह किसी काम से इनकी दुकान पर आयी तो इन्हे पहचान लिया तथा बहुत आशीर्वाद दिया।

3. श्री मोहन लाल गुर्जर जो पुलिस विभाग में है, उन्हे अस्थमा था व धूल-मिट्टी से एलर्जी थी। दिनभर छींके आने से उन्हे जीवन बेकार लगने लगा था। लाखों की दवाई खा चुके थे तथा कई बार अस्पतालों में भर्ती हुए पर राहत नही मिली। एक दिन उन्होंने श्री प्रभुदयाल से संपर्क किया व अपनी परेशानी बतायी। उन्हे योग-प्राणायाम का महत्व बताया तथा वो नियमित योग क्लास में आने लगे। उन्होने 16 वें दिन बताया कि योग से अदभुत, क्रांतिकारी तथा चमत्कार लाभ महसूस हो रहा है व शरीर में ऊर्जा का संचार महसूस होने लगा है। वे नियमित क्लास में एक बीमारी ठीक कराने आए पर कई बीमारियों से पीछा छुट गया। वे अब बिलकुल स्वस्थ है अभी भी नियमित क्लास में आ रहे है। उनकी बीमारी दूर हुई व जीवन में आई नकारात्मकता भी दूर हो गयी। अब वे योग प्राणायाम से आनन्द महसूस करते हुए अन्य को भी प्रेरित करते है।

योग प्राणायाम से जिन्हे भी फायदा हुआ उनकी योग में रुचि बड़ी है। इससे लोग मस्त स्वस्थ ऊर्जावान व तन्दरुस्त बन रहे है। श्री प्रभुदयाल तुनगरिया का कहना है कि परमात्मा द्वारा हमें प्रचुर प्राकृतिक ऑक्सीजन मिलती है जो हमारे श्वसनतंत्र व फेफड़ों को मजबूत करती है तथा शरीर स्वस्थ बनता है। नि:शुल्क सेवा से लोगों को हुए लाभ से प्रभु जी का उत्साह बढ़ता है।

आइये, हम सभी नियमित योग-प्राणायाम से जुड़े।

'आओ मिलकर योग करे, जीवन को आनन्दित करे।'

प्रभुदयाल तुनगरिया अभी योग-प्राणायम की दो जगह नियमित क्लास ले रहे है-

1. डाक बंगला अजमेर रोड़ प्रात: 5:30 से 7 बजे तक एवं
2. कम्युनिटी पार्क, मझेला रोड़, सायं 5:45 से 7 बजे तक

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई

कक्षा 12वीं

96.20
हार्दिक कुमावत
जयपुर

95.00
चांदनी कुमावत
जयपुर

92.60
दिशा कुमावत
मंदसौर

92.40
अक्षांष कुमावत
जयपुर

91.00
चंचल कुमावत
जयपुर

89.40
सौम्या कुमावत
जयपुर

88.40
दिवीशा कुमावत
जयपुर

87.80
विशेष पटेल
जयपुर

81.00
दिशा कुमावत
जयपुर

80.20
रोहित कुमावत
जयपुर

कक्षा 10वीं

96.00
शुभी कुमावत
जयपुर

96.00
तनुष मंडावरा

96.00
तेजस्वनी कुमावत
विजयनगर

96.00
दिव्यांशी कुमावत
जयपुर

92.40
निशांत कुमावत
जयपर

90.00
निलम कुमावत
जयपुर

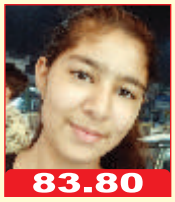
83.80
आरूषि कुमावत
जयपुर

81.00
मंथन कुमावत

सूचना

कक्षा 12वीं व 10वीं CBSE तथा राज्य बोर्ड परीक्षा में 80 प्रतिशत व अधिक अंकों से उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं का फोटो, नाम तथा प्राप्तांक का प्रकाशन इसी तरह 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के आगामी जून-2023 के अंक में किया जाएगा। अभिभावकों से निवेदन है कि कृपया अपने बच्चों की सूचना प्रकाशक के **मो. 9414074376 पर व्हाट्सएप** करने का कष्ट करें।

मैंगो पिस्ता आइसक्रीम

गर्मी के मौसम में आइसक्रीम खाना किसे पसन्द नही है। इस मौसम में हर वर्ग के लोग इसे बडे चाव के साथ खाते है। तो आये, यूं बनाये मैंगो पिस्ता आइसक्रीम:-

सामग्री - दो गिलास दूध, 4 ब्रेड, 4 बडे चम्मच चीनी, 2 पके हुये आम तथा 5 ग्राम पिस्ता कतरन।

विधि- सबसे पहले ब्रेड लेकर चाकू से उसकी चारों तरफ की मोटी कॉर्नर को हटा लेगें, फिर मिक्सी में ब्रेड को ग्राईन्ड करेंगे। अब एक भगोनी में दूध लेकर ब्रेड को दूध में डालेगें उसमें चीनी डालकर थोड़ी देर तक पकायेगें। दूध रबडी की तरह थोड़ा गाढ़ा हो जायेगा। फिर इसे बिल्कुल ठण्डा करके मिक्सी में डालकर ग्राइन्ड करेंगे। अब दूध की मलाई एवं आम डालकर एक बार फिर ग्राइन्ड करेगें। ग्राईन्ड करने के बाद किसी आयताकार बरतन या चौड़े मुंह के आईस बॉक्स में डाल दे उसमें पिस्ता डालकर 8-10 घण्टे फ्रिजर में जमने के लिए रख देगें। आईसक्रीम जमने के बाद ठण्डी-ठण्डी आइसक्रीम सर्व करें। यह आपको जरूर पसंद आएगी।

- राजबाला कुमावत

महेश कुमावत पुत्र मालीराम कुमावत (मरोठिया) व राहुल कुमावत पुत्र श्री हनुमान कुमावत (मरोठिया) का SSC CGL AUDITOR (CAG) के पद पर चयनित होने पर बधाई।

समाज की पहल

श्री कुमावत समाज ट्रस्ट, नरकुण्ड्रम, चेन्नई, तमिलनाडु द्वारा पक्षियों के लिए एक बहुमंजिले फ्लैट (टॉवर) का निर्माण कराया गया है, जिसमें पक्षी आराम से रह सकते हैं।

स्टोन कार्विंग (रत्नक्काशी) की कार्यशाला

श्री अमृत सिरोहिया ने सीतापुरा स्थित IIGJ कॉलेज (Indian Institute of Gem & Jewellery) में आयोजित तीन दिवसीय वर्कशॉप **'अलंकार मेला'** डिजाइनिंग के छात्रों को स्टोन स्लेक्शन, ड्रेसिंग, स्केचिंग कार्विंग व पालिशिंग की पूरी प्रक्रिया का लाइव डेमो दिया। कॉलेज के छात्रों ने इस कला के बारे में जाना और बड़ी उत्सुकता से इसको स्वयं करके देखा।

श्री सिरोहिया इस कला में देश के पहले राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कलाकार हैं। इन्होंने देश-विदेश में इस कला का प्रचार-प्रसार करते हुए कई सम्मान प्राप्त किये हैं।

इस आयोजन में जेम्स एण्ड ज्वैलरी के बड़े-बड़े दिग्गज उपस्थित हुए। राजस्थान उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत, राजसीको अध्यक्ष श्री राजीव अरोड़ व IIGJ के चेयरमैन डॉ. नवल अग्रवाल के द्वारा अमृत सिरोहिया को सम्मानित किया गया। **बधाई**

माँ श्रीमती गुलाबदेवी की मरणोपरांत आँखें दान की

श्री मोहनलाल कुमावत से.नि. मुख्य लेखाधिकारी निवासी शांतिपुरा अजमेर की माताजी श्रीमती गुलाब देवी पत्नी स्व. श्री गणेश नारायण नीमिवाल की 81वर्ष की आयु में 29 अप्रेल, 2023 को निधन हो गया था।

श्री मोहन लाल कुमावत ने आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, अजमेर, चैप्टर को अपनी माँ की आँखों का पुनित एवं मानवीय कार्यों के लिए दान कर परोपकार की अनुपम मिसाल कायम की है। इनके नेत्रदान से किसी के जीवन में ज्योति आयेगी तथा वह इस सुन्दर संसार को देख सकेगा। मानवता के इस नेक कार्य के लिए श्री मोहनलाल कुमावत (नेमीवाल) तथा उनके परिवार का **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से आभार।

श्री कैलाश जी घोड़ावड़ (भारतीय जनता पार्टी, गुजरात-प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य) के जयपुर आगमन पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पदाधिकारियों के साथ शिष्टाचार भेंट हुई। उन्होंने पत्रिका की प्रशंसा की तथा समाज के उत्थान पर विचार विमर्श हुआ।

शहीद सीताराम कुमावत जन सेवा संस्थान की ओर से कारगिल शहीद श्री सीताराम कुमावत की पुत्री प्रियंका का शुभ विवाह। बधाई व शुभकामनाएं।

अमर मंडावरा को स्टेट कोऑर्डिनेटर व श्रीचंद कुमावत को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया

अमर मंडावरा

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने झोटवाड़ा विधानसभा निवासी **अमर मंडावरा** को स्टेट कोऑर्डिनेटर व विद्याधर नगर विधानसभा निवासी **श्रीचंद कुमावत (खुड़िया)** को प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है।

इन दोनों की नियुक्ति होने पर प्रदेश स्तरीय संगठन को और ज्यादा मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव का हार्दिक आभार व अभिनंदन किया व सभी का मुंह मीठा कराया गया। अमर मंडावरा व श्रीचंद कुमावत (खुड़िया) ने सभी कार्यकारिणी सदस्यगणों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्रीचंद खुड़िया

इन दोनों की नियुक्ति से राज्य की राजनीति में कुमावत समाज का प्रतिनिधित्व बढा है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री अमर मंडावरा व श्री श्रीचंद कुमावत को हार्दिक बधाई।

गजानंद कुमावत कांग्रेस ओबीसी प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त

कालाडेरा, चौमूं निवासी गजानंद कुमावत को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। ये कांग्रेस संगठन में वर्ष 1995 से निरन्तर कार्यरत हैं तथा युवक कांग्रेस के ब्लॉक महामंत्री, जिला संयुक्त मंत्री, जिला मंत्री, जिला उपाध्यक्ष, सलाहकार सचिव तथा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त ये महामंत्री राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी पर्यावरण प्रकोष्ठ, महामंत्री ब्लॉक कांग्रेस कमेटी चौमूं पश्चिम आदि पदों पर कार्य कर चुके हैं।

गजानंद कुमावत को प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग का उपाध्यक्ष बनाए जाने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

नरेश कुमावत नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित

मूर्तिकार नरेश कुमावत पुत्र श्री मातूराम कुमावत द्वारा शहीदों के लिए 300 से अधिक मूर्तियां नि:शुल्क बनाकर देने का अभुतपूर्व कार्य करने पर **एक ही रास्ता एनजीओ** ने नागरिक वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा श्री नरेश कुमावत को नागरिक वीरता पुरस्कार मिलने पर हार्दिक बधाई।

ललित जालवाल, राज. कांग्रेस ओबीसी के उपाध्यक्ष नियुक्त

राजस्थान कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग के उपाध्यक्ष पद पर श्री ललित कुमावत (जालवाल) को नियुक्त किया गया है। श्री ललित राजमसंद में अपनी ऊर्जा एवं संगठन शक्ति का परिचय दे चुके हैं तथा पार्टी के समर्पित युवा कार्यकर्ता रहे हैं। आपकी मिलनसारिता व मृदुस्वभाव आपको राजनीति की ऊँची बुलन्दी पर ले जायेगा।

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका की ओर से ललित जालवाल को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

अभिज्ञान ए. सिंघाटिया की पुस्तक China Town का विमोचन

सेंट जेवियर हाई स्कूल, गुडगांव की 8वीं कक्षा के छात्र अभिज्ञान ए. सिंघाटिया की पुस्तक "China Town" का विमोचन किया गया। समाज के इस होनहार छात्र की पुस्तक China Town में डिजनीलैण्ड व पण्डाज की जादूई दुनिया का बखूबी विवरण दिया गया है। यह पुस्तक राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर उपलब्ध है।

मोनिका वर्मा, कलाना (भादरा) हनुमानगढ़ ने यू एन 20 एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 3000 मीटर स्टीपल चेस 21 जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप, तामिलनाडू में रजत पदक जीता। **बधाई**

बधाई

शुभी कुमावत

CBSE बोर्ड की 10वीं कक्षा में 96%

English-97%

Social Science-98%

अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल–राजकुमारी (दादा–दादी),

सुरेन्द्र बाबु घोड़ीवाल–प्रीति (पिता–माता),

मनीष घोड़ीवाल–शशि (चाचा–चाची),

शिवी (बहन), लविन (भ्राता) तथा

श्रीमती सारिका–भवानी सिंह जी कुसुम्बीवाल (बुआ–फूफाजी)

7/218, मालवीय नगर, जयपुर-302017 मो. 95496 56438

स्व. डॉक्टर श्री शेर सिंह दिल्लीवाल एवँ स्व.श्रीमती दया देवी दिल्लीवाल के आशीर्वचन द्वारा पुत्रवधु, पौत्रवधु तथा प्रपौत्र ने प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की।

कान्हा-यशोदा कॉन्टेस्ट में बेस्ट फेस का अवार्ड रैनित सिंह दिल्लीवाल को।

23 अप्रैल 2023 को ड्रीम अचीवर्स क्लब की ओर से नारी इन साड़ी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त करती शकुन सिंह दिल्लीवाल

सास शकुन सिंह व बहू रेनू सिंह गणगौर माता की पूजा करते हुए।

शकुन सिंह शीतला अष्टमी पर ईसर जी बनी।

विज्ञापन

दया सदन, प्लॉट नंबर 3 शांति नगर ,बैनाड रोड दादी का फाटक विकास स्कूल के पास, 30 2012

युवाओं को उनकी रुचि अनुरूप पेशा अपनाने दें

आज के युवक-युवतियां मल्टी टेलेन्टेड हैं। नौकरियों तथा व्यवसाय के नये-नये क्षेत्र खुल रहे हैं। कई परम्परागत व्यवसाय अब या तो अप्रासंगिक हो गये हैं या फिर उनका भविष्य पहले जितना अच्छा नहीं है। यदि कोई व्यवसाय अभी भी अच्छे हैं तो भी जरूरी नहीं कि हमारे बेटे-बेटियां उन्हें अपनाएं। उनकी भी रुचि अन्य क्षेत्रों में हो सकती है। अनेक युवा IIT, MBA, CA जैसी प्रोफेशनल डिग्रियां ले कर व्यवसाय या स्टार्टअप खोल रहे हैं। अनेक डॉक्टर/इंजीनियर अपने पेशे में न जाकर प्रशासनिक सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं। अच्छी नौकरियां छोड़कर अनेक प्रोफेशनल इस्कॉन तथा स्वामीनारायण जैसे सम्प्रदायों/संस्थाओं से जुड़ गये हैं तथा कुछ लोगों ने डेयरी व फार्मिंग में भविष्य अजमाया तथा सफल भी हुए।

इसलिए नौकरीपेशा, प्रोफेशनल्स तथा व्यवसायियों को चाहिये कि वे अपने बच्चों पर दबाव नहीं बनाएं कि जो कार्य वे कर रहे हैं वहीं बच्चे भी अपनाए। यदि बच्चे, पिता के व्यवसाय या प्रोफेशनल को मन मारकर अपना भी लेंगे तो यह उनकी रुचि का नहीं होगा तथा उसमें सफल होने की सम्भावना कम होगी। जबकि पसंदीदा फील्ड में सफलता की सम्भावना अधिक होती है।

एक युवा को कारों का शौक था। उसके पिता ने उसे अनेक व्यापार कराये पर उनमें वह असफल रहा। उसके पिता ने अपने एक मित्र से सलाह ली। तो उसने बताया कि इसे कार खरीद-बिक्री का कारोबार व गैरेज खुलवा दो। इस धन्धे में नई-नई कारें आऐंगी जो इसका शोक है। उन्होंने ऐसा ही किया, तो उसके लड़के का यह व्यवसाय अच्छा चल निकला।

थ्री-इडियट फिल्म के एक किरदार को वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी का शौक था पर उसके पिता उसे इंजीनियर बनाना चाहते थे। उसने पिता को समझाया कि उसकी रुचि फोटोग्राफी में है इसलिए वह एक अच्छा इंजीनियर नहीं बन पाएगा। व्यक्ति तब ही सफल हो सकता है जब वह अपनी रुचि व ज्ञान के अनुरूप कार्य करें। उस क्षेत्र के ज्ञान का अर्जन भी तब ही होगा जब उस क्षेत्र में रुचि होगी।

कम्प्यूटर साइंस व आईटी क्षेत्र में युवा अपने शहर से दूर अकेले रहकर नौकरियां कर रहे हैं तथा सुबह से शाम तक उन्हें सिर उठाने तक की फुर्सत नहीं होती। ऐसे उन्हें बोरियत तो होगी चाहे तनख्वाह कितनी ही अच्छी क्यों न हो। वहीं कला क्षेत्र में व्यक्ति अपने मूड व इच्छा के अनुरूप कार्य कर अच्छी कलाकृति बनाने में सफल रहता है तथा इससे उसे संतुष्ठि मिलती है साथ ही होमटाऊन से दूर नहीं जाना पड़ता।

अत: काम वो करने दें जिसमें युवाओं की रुचि हो तब ही सफलता की गुंजाइश रहती है। सही कहा हैं कि, ''बच्चे खुश तो माँ-बाप खुश रहते हैं।''

- भारती तोंदवाल

जीऐं तो ऐसे जीऐं

हमें यह जान लेना होगा कि इस संसार में स्थायित्व नहीं है, यह परिवर्तनशील है। कभी दिन तो कभी रात है। कभी अमीर तो कभी गरीब है। कभी स्वस्थ तो कभी बीमार है। कभी युवा तो कभी वृद्धावस्था आदि। **इस संसार में आये सभी प्राणी एक पर्यटक की भाँती हैं, जब तक उसका वीजा है तब तक वह यहाँ रह सकता है फिर मृत्यु के द्वारा यहाँ से जाना निश्चित है।** भगवान ने भी यहाँ मानव रूप में अवतार लिया फिर उन्हें भी इस संसार से जाना पड़ा।

इसलिए जब तक जीएं आनन्द से जीए, अपने कार्य एवं व्यवहार से किसी का दिल नहीं दुखायें। खुशी का रिश्तों से गहरा जुड़ाव होता है, इसे हमेशा अच्छा बनायें रखें यह हमें अवसाद से बचाता है। हम नकारात्मकता को जीवन से हटा कर सकारात्मकता को अपनाएं। हमें परमात्मा में विश्वास रखना चाहिये, प्रकृति से तालमेल रखें, परिवार में सामंजस्य रखें तथा सभी से प्रेम रखें। कभी अपने पैसे व सम्पत्ति पर अभिमान नहीं करें। याद रखें पैसा साधन है साध्य नहीं। हो सके तो जरूरतमंद की मदद करें, गौशाला में जायें तथा गौधन के साथ कुछ समय बिताएं व गौशाला को मदद करें। अपनी प्रोफेशनल लाईफ को सौशल लाईफ से अलग रखें। ऑफिस या व्यवसाय की टेंशन को घर पर नहीं लायें। अपने परिवार के बड़े-बुजुर्गों से मिलते रहें तथा उनकी सेवा का ध्यान रखें इस समय अपने बच्चों को भी साथ रखें जिससे उनमें अच्छे संस्कारों का समावेश हो। हर दिन सर्वोत्तम है तथा हंसी-खुशी के साथ ऐसे जीएं जैसे हर दिन जीवन का आखिरी दिन हो। दूसरों से ज्यादा अपेक्षाएं नहीं पालें, स्वयं सहज रहें। ईश्वर प्रार्थना व योग में ध्यान लगायें इससे मन प्रसन्न रहता है जो हमें आत्मविश्वास व स्फूर्ति देता है।

संगीत सुनना भी एक अच्छी आदत है यह मन का सुकून देता है। समय मिले तो बाहर घूमने जाना हमें तरोताजा कर देता है। साथ ही कुछ नया सीखने का अवसर भी मिलता है। अत: खुशी के हर अवसर का आनन्द लेवें।

-शोभिका कुमावत, सवाई माधोपुर

सोशल मीडिया व इन्टरनेट कर रहा अपनों से दूर

आज चीन के बाद भारत में सोशल मीडिया से जुड़े लोगों की संख्या सबसे ज्यादा है। **भारत में औसतन 3-4 घण्टे लोग सोशल मीडिया पर व्यस्त रहने लगे हैं।** सोशल मीडिया के फायदे अनेक हैं, लोग खुलकर अपनी बात यहां रख रहे हैं, इससे हमें दुनिया की जानकारी एक क्लीक में मिल रही है। इसीलिए निरन्तर सोशल मीडिया के एकाउन्ट बढ़ रहे हैं। लोग यदि घूमने जा रहे हैं, शादी, समारोह, सामाजिक/राजनैतिक घटनाक्रम में सम्मिलित हो रहे हों तो अपनी फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर चर्चा में रह रहे हैं। कई लोगों को तो **'स्टेट्स अपडेट'** करने की लत लग चुकी है। इसके बिना जीवन की कल्पना ही नहीं मान बैठे हैं। परिणामत: वे अपने परिवार व दोस्तों से दूर होते जा रहे हैं। इसमें व्यस्त होने के कारण उनकी दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है तथा फिजीकल फिटनेस में कमी आ रही है। ऑफिस की मीटिंगों में भी अधिकारी व्हाट्सएप, ट्वीटर, इन्स्ट्राग्राम को देखते पाये जाते हैं। कम लाइक आने पर लोग तनाव में आने लगे हैं वह अवसाद का शिकार होने लगे हैं। इसका ज्यादा उपयोग नींद को प्रभावित कर रहा है। युवाओं में इस कारण **''गुम हो जाने का भय''** बढ़ रहा है।

तो क्या सोशल मीडिया का उपयोग उचित है? मेरे विचार में इसका सीमित व उचित उपयोग ही ठीक है। ऑफिस में काम के दौरान तथा घर में खाने की टेबल पर तथा परिवार से चर्चा के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करें तो आपका जुड़ाव अपनों से बना रहेगा। बच्चों के लिए भी गाइडलाईन बनाकर इसका न्यूनतम उपयोग करने दें जिससे वे इनडोर व आउटडोर गेम खेल सकें तथा अपनी पढ़ाई पर फोकस कर सकें। परिवार में सोशल मीडिया के दुरुपयोग से पाये गये दुष्परिणामों से अवगत करावें। इस संबंध में नई रिसर्च की जानकारी परिवारजनों को दें, जिससे वे इसका सही व सीमित उपयोग ही करें।

सोशल मीडिया सामाजिक विकास का सरल साधन है। इसको मार्केटिंग में उपयोग कर ग्राहकों तक अपनी पहुंच बढ़ाई जा सकती है। नौकरी ढूंढने में इसका उपयोग किया जाता है। इंटरनेट द्वारा मोबाइल फोन से ऑनलाइन पेमेंट, खरीददारी, केब/टैक्सी मंगवाना तथा मैसेज देना अब घर बैठे सम्भव हो गया है। कोरोना के समय ऑनलाईन शिक्षा का भी यह कारगर साधन सिद्ध हुआ है। अधिकांश आईटी कम्पनियों में **वर्क फ्रोम होम** करना सम्भव हो पाया।

निष्कर्ष : सोशल मीडिया व इन्टरनेट का सही व सीमित उपयोग किया जाये तो उचित है, पर इससे व्यक्तिगत व पारिवारिक जीवन के अमूल्य पल प्रभावित नहीं हों, इसके एडिक्ट नहीं हो जायें इसका ध्यान रखा जाना चाहिये।

ऑनलाइन ठगी का मकड़जाल फैलता जा रहा है, साइबर अपराध से बचने के लिए अनावश्यक लिंक पर क्लिक नहीं करें न ओटीपी किसी से शेयर करें। न ही अनजान वॉट्सएप कॉल रिसीव करें। यदि फिर भी आप कहीं साइबर अपराधियों से ठग लिए जायें तो हेल्प लाईन 1930 पर कॉल कर बैंक खाता ब्लॉक करायें, पुलिस को सूचित करें तथा http://www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज करायें। - **रमेश कुमावत**

ब्रेन भी पागल है... इसे कन्ट्रोल करो

प्रख्यात लेखक व चिंतक चेतन भगत का कहना है कि जैसे दिल तो पागल है... इसी तरह ब्रेन भी पागल है। यदि सफल होना है तो इसे कन्ट्रोल करें। असफल लोग इसे गलत दिशा में लगाते हैं वहीं सफल लोग इसे सही दिशा में लगाते हैं व इसे अपडेट करते रहते हैं।

विद्यार्थी जीवन में अपनी दैनिक आदतों में सकारात्मक परिवर्तन करना चाहिये नहीं तो कुछ हासिल नहीं होगा। चाहे कितने ही अच्छे अध्यापक या कोचिंग सेन्टर से कोचिंग ले लो, ब्रेन को सही दिशा में लगाना ही होगा तथा सोशल मीडिया से यथा सम्भव दूरी बनानी होगी। सोशल मीडिया साइट्स हमें भटकाती हैं, जो इसके चक्कर में पड़ गये मानो रोजाना 3-4 घण्टे बर्बाद हो गये। यदि इतना समय पढ़ाई या अपने अन्य कार्यों में देंगे तो निश्चय ही परिणाम अच्छे आयेंगे।

विद्यार्थी का लक्ष्य है परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होना। आजकल प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा का युग है, सीटें कम तथा अभ्यार्थी ज्यादा हैं। इसलिए कड़ी मेहनत और सही दिशा रखने पर ही फल मिलेगा। चाहे पढ़ाई बोरिंग लगे, पढ़ना तो होगा तथा नियिमत रूप से कक्षाओं में जाकर सीखना होगा। इसे गम्भीरता से लेवें व टाइम मैनेजमेंट करें तो ही सफल होंगे तथा लाखों रुपये महीने की नौकरी के हकदार होंगे। तब जो आर्थिक सुकून मिलेगा वह स्वयं को सन्तुष्टि तो देगा साथ ही माता-पिता को भी सुख की अनुभूति देगा। इससे आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा वैवाहिक रिश्ते भी आपके मन चाहे अनुसार आसानी से हो पायेंगे। इसलिए अभी से ब्रेन को कन्ट्रोल करें तथा ब्रेन को सही दिशा में लगायें। - **कुमावत इंडिया पत्रिका टीम**

नये सदस्य

वि./145 श्री राकेश कुमार आसीवाल, बनीपार्क, जयपुर
वि./146 श्री यतिन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि./147 श्री प्रारूप कुमावत, राकड़ी, जयपुर
वि./148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, टोड़ी, हरमाड़ा, जयपुर
वि./149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
सं. 131 श्री राजेश प्रसाद वर्मा, झोटवाड़ा, जयपुर
5/171 श्री रमेश मोरवाल, तिवाड़ी जी काबाग, आदर्श नगर
5/172 श्री हनुमानसहाय कुमावत, रोजदा, जयपुर
5/173 श्री नाथूराम मारोठिया, आकेड़ा चौक, जयपुर
5/174 श्री पुष्कर नारायण नेमीवाल, वैशाली नगर, अजमेर
5/175 श्री मोहन सिंह गड़वाल, जयपुर
5/176 श्री रमेश चन्द नागा, बजरिया, सवाई माधोपुर
5/177 श्री हरिनारायण सांगानेर, जयपुर
5/178 श्री गणेश नारायण सांगानेर, जयपुर
5/179 श्री तेज प्रकाश दोराया सांगानेर, जयपुर
5/180 श्री ओम प्रकाश भदानिया सांगानेर, जयपुर
5/181 श्री विजय कुमार भदानिया सांगानेर, जयपुर
5/182 श्री लल्लू लाल भदानिया सांगानेर, जयपुर

क्रमश:...

सायबर सुरक्षा

एटीएम का इस्तेमाल में सावधानियां बरतकर धोखाधड़ी से बचें

आज दुनियाभर में एटीएम कार्ड का इस्तेमाल आम है। जालसाज भी इसलिए फिराक में रहते हैं कि कार्डधारक गलती करे और वे उनके खाते से रक़म साफ कर दें। यहां सिर्फ फोन पर ओटीपी देने या अपना एकाउंट नंबर बताने की ही बात नहीं हो रही है बल्कि कुछ गलतियों की हो रही है, जो हम अनजाने में कर जाते हैं। थोड़ी समझदारी बरती जाए तो धोखाधड़ी होने से बचा जा सकता है। जानते है कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में :-

ग्रीन लाइट देखना न भूलें...

एटीएम मशीन में एटीएम कार्ड डालते समय देखें की स्लॉट में लगी हरी बत्ती चालू हो। अगर स्लॉट में हरी बत्ती चालू है तो एटीएम सुरक्षित है। यानी कि उससे पैसे निकाल सकते हैं। अगर लाल लाइट ऑन हो या कोई बत्ती न जल रही हो तो एटीएम का इस्तेमाल न करें। एटीएम से पैसे निकालने या ट्रांजेक्शन पूरा होने के बाद क्लीयर का बटन अवश्य दवाएं।

पिन डालते समय सावधानी

एटीएम कार्ड मशीन में डालने के बाद पिन डालना होता है। पिन डालते समय ध्यान रखें कि वहां कैमरा भी होता है, जिसका एक्सेस कई बार हैकर हैकिंग के जरिए प्राप्त कर लेते हैं। इसलिए पिन डालते समय दूसरे हाथ से छुपाकर डालें या कीपैड को हाथ की हथेली से आफ कर लें। इससे यदि हैकर के पास कैमरे का एक्सेस होगा भी तो वो आपका पिन नहीं जान पाएगा।

रसीद या लेन-देन का रिकॉर्ड अपने साथ रखें

अक्सर लोग एटीएम से रुपये निकालने के बाद मिलने वाली रसीद को वहीं फेंक देते हैं। ऐसा करने से आपके एकाउंट की जानकारी गलत हाथों में पड़ सकती है। अपनी रसीद या लेन-देन का रिकॉर्ड हमेशा अपने साथ रखें। इससे आपकी कोई भी व्यक्तिगत जानकारी ग़लत हाथों में जाने से बच जाएगी। अगर फेकना है तो अच्छी तरह से फाड़कर फेके। इस बात का भी ध्यान रखें कि कार्ड को कहीं भी स्वैप न करें बल्कि सिर्फ़ अधिकृत जगहों पर ही स्वैप करके ट्रांजेक्शन करें।

पिन को कुछ अंतराल में बदलना जरूरी

लोग एटीएम मिलने पर जो पिन नंबर चुनते हैं वही सालों-साल तक रखते हैं। पिन नंबर को कुछ महीनों के अंतराल में बदलना जरूरी है, ताकि फ्रॉड होने का खतरा न रहे। हां, पिन ऐसा चुनें जो आपके पर्स में मौजूद चीजों से मेल न खाता हो जैसे घर का नंबर, जन्म तिथि, टेलीफोन नंबर आदि। कई बार पर्स खोने पर अपराधी इन नंबरों से भी पिन का अंदाजा लगा लेते हैं।

- लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल

समाज के प्रसिद्ध सृजनशील व्यक्तित्व

कुमावत समाज भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व मे सबसे सृजनशील वर्ग है जिसने अपनी सृजनात्मकता के माध्यम से भारत की एक अलग पहचान स्थापित की हैं उसमें विश्व के सुंदरतम शहरों में शुमार जैपुर की नींव रखने वाले वास्तु शास्त्री अनंत राम कुमावत जिनको नींव खोदने के लिए महाराज जयसिंह जी सोने का हल दिया और उनका उपनाम हलुका पड़ा, उनके भाई लाला कैकटया ने चौपड़ खेल के माध्यम से 3 चोपड़ों की रचना कर दी साथ ही मंडन खरनारिया जी का बनाया चित्तौड़ का विजय स्तम्भ हो या फिर कुम्भलगढ़ का किला या कुचामन के किले के वास्तु कार उस्ता मेदराम रामचंद्र जी मारवाल फिर जयपुर के लाल चंद उस्ता का हवामहल, उस्ता गणेश खोवाल की ईशरलाट, राम बक्श मुसस्वर का अलबर्ट हॉल ,दिल्ली का लाल किला या फिर आगरा का ताज महल, राष्ट्रपति भवन में जयपुर कॉलम का स्थापत्य से लेकर दिल्ली के विज्ञान भवन सहित बहुत सरकारी और गैर सरकारी इमारतों के वास्तु शास्त्री राम प्रकाश जी गहलोत जिनको राजस्थान में प्रथम पद्म श्री मिलने गौरव प्राप्त हैं जयपुर की धरती को सवारने में नींव रखने से लेकर sms हॉस्पिटल ,स्टेच्यू सर्किल ,गांधी नगर ,एयर पोर्ट क्वाटर बापू बाजार नेहरू बाजार बनाने वाले नानाग राम जी कारगवाल ,राजस्थान विश्व विद्यालय सचिवालय सहित समस्त जयपुर की समस्त नई पुरानी इमारतों से जयपुर की ही नहीं उत्तर और मध्य भारत की वास्तु स्थापत्य चित्रकला, हस्त शिल्प मूर्तिशिल्प के माध्यम से शोभा बढ़ाने में कोई कसर नही छोड़ी।

भारत में पर्यटन के माध्यम से विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में इस समाज का सबसे बड़ा योगदान है।

इस समाज का योगदान हर क्षेत्र में है स्थापत्य और वास्तु में पदम श्री रामप्रकाश जी गहलोत ,संगीत में पुरषोतम दास जी केकटया (पखावजी) कृषि में सुण्डा राम जी कुमावत तथा मातूराम कुमावत व उनके पुत्र नरेश कुमावत को इस सृजनशील मां सरस्वती की कृपा तथा विश्वकर्मा की संतानों को भगवान ने ही सृजनात्मकता देकर भेजा इस समाज को इस भारतमाता और विश्व को सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत बना कर भेजा है। अंत में ये समाज एक जाति या कास्ट नहीं वरन स्किल हैं जो इसको सबसे अलहदा और छवि प्रदान करती है।

- रामप्रकाश मारवाल

बार एसोसिएशन, सांभरलेक (जयपुर) के चुनाव में अध्यक्ष पद पर **हेमराज कुमावत** निर्वाचित होने पर बहुत-बहुत बधाई।

हरी सब्जियां खाये-सेहत बनाएं

हरी सब्जियां खाना स्वाद के साथ सेहत के लिए भी अच्छी होती है। इनमें विटामिन्स, फाइबर मिनरल्स और एन्टी-ऑक्सीडेन्ट्स की प्रचूरता होती है, जो शरीर के लिए अत्यन्त जरूरी तत्व है। इनके सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है। आइये, जानते हैं इनके सेवन के लाभ—

पालक : पालक पौष्टिकता से भरपूर हरी सब्जी है। इसमें आयरन, पोटेशियम, विटामिन्स, मिनरल्स तथा फाइबर होता है। इसके सेवन से जहां शरीर को ऊर्जा मिलती है वहीं यह ब्लड की कमी को दूर करता है, पाचन क्रिया ठीक करता है, ब्लड प्रेशर को सामान्य रखता है, शरीर में पानी की कमी दूर करता है, हड्डियां मजबूत करता है। आंखों की रोशनी बढ़ाता है तथा प्रिगनेन्सी के दौरान लाभदायक है।

इसका सेवन हरी सब्जी बनाकर, दलिये में डालकर, जूस निकालकर, सूप बनाकर, आटे में डालकर व स्नेक्स बनाकर भी किया जा सकता है।

अरबी के पत्ते : अरबी के पत्तों में विटामिन सी तथा फाइबर की बहुतायत होती है। इससे यह सफेद रक्त सेल्स को बढ़ाता है जो बेक्टीरिया व वायरस से लड़ने में मदद करता है।

इसे भाव में पकाकर तथा बेसन के साथ पकौड़े/स्नेक्स बनाकर सेवन किया जा सकता है। नियमित सेवन से मोतियाबिंद होने की सम्भावना कम होती है।

लौकी (घीया) : लौकी में प्रोटीन, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट तथा मिनरल्स भरपूर होते हैं। इसके गुणों के कारण डॉक्टर्स भी इसके सेवन की सलाह देते हैं।

इसे उबालकर तथा कम मसाले डालकर सब्जी बनाकर सेवन करना चाहिए। यह पित्त का नाश करती है, डायरिया होने पर कब्ज को ठीक करती है। इसके जूस में थोड़ा सा नींबू रस मिलाकर नमक व चीनी के साथ पीने से डायरिया ठीक हो जाता है। इसका रस तंत्रिका तंत्र के लिए भी लाभदायक है। वहीं एसीडिटी व अल्सर में भी उपयोगी है। एक कप लौकी के रस में थोड़ी कालीमिर्च व पुदीना डालकर पीने से हृदय रोग में लाभ होता है। सुबह एक गिलास लौकी जूस का सेवन अल्काइजर का काम करता है। इससे पेशाब की जलन भी ठीक हो जाती है।

लौकी में पोटेशियम प्रचूर मात्रा में होने से गुर्दा रोग में लाभ मिलता है व पेशाब खुलकर आता है। लौकी का सेवन आंतों की कमजोरी, मधुमेह, शरीर में जलन तथा मानसिक उत्तेजना को ठीक करता है। बबासीर में लौकी के पत्तों को पीसकर लेप करने पर बवासीर कुछ दिनों में नष्ट हो जाता है। पीलिया होने पर लौकी को धीमी आंच में दबाकर भुर्ता बना लें, फिर इसका रस निचौड़े तथा थोड़ी मिश्री मिलाकर पीने से इसमें लाभ होता है। पैरों के तलवों की जलन होने पर लौकी का गुदा काटकर तलवों पर मलने से जलन ठीक हो जाती है।

ध्यान योग्य : लौकी के सेवन से पहले इसका थोड़ा टुकड़ा काटकर चख लें, यदि कड़वी निकले तो उसका सेवन नहीं करें।

लौकी को उबालकर उसका रायता बनाये यह अत्यन्त स्वादिष्ट होता है तथा शरीर के लिए लाभदायक है।

खाली पेट चाय या कॉफी पीने के नुकसान

भारत में चाय दैनिक जिन्दगी का हिस्सा है। इसके बिना ना नींद खुलती है और ना ही मेहमानों की आवभगत होती है तथा घर, ऑफिस, रेस्तरां सभी जगह चाय के साथ ही बातचीत शुरु होती है। इसी तरह कॉफी पीनेवालों की संख्या भी बहुत है। चाय और कॉफी में कैफीन पाया जाता है, ये शरीर को ताजगी देता है, लेकिन ज्यादा मात्रा में सेवन, सेहत के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो सीमित मात्रा में ही चाय और कॉफी पीनी चाहिए। डॉक्टरों के मुताबिक सुबह खाली पेट में चाय पीने से सेहत से जुड़ी कई परेशानियां पैदा हो सकती हैं।

शरीर के विकास में बाधा : चाय और कॉफी में टैनिन भी पाया जाता है। इससे शरीर के विकास में बाधा आती है। चाय में पाया जाने वाला टैनिन भोजन से आयरन और अन्य आवश्यक पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा उत्पन्न करता है। इससे शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की पूर्ति नहीं होती है। इसके लिए खाली पेट चाय न पिएं।

डिहाइड्रेशन : खाली पेट चाय पीने से डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि चाय में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिनसे बार-बार पेशाब आने की समस्या होती है। अगर पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पीते हैं, तो डिहाइड्रेशन हो सकता है।

सीने में जलन : नियमित रूप से खाली पेट चाय पीने से हार्ट बर्न की भी समस्या होती है। साथ ही अल्सर का खतरा भी बढ़ता है। यह चाय में मौजूद एसिड की वजह से होता है। इसके लिए खाली पेट चाय पीने से परहेज करें।

मेटाबॉलिज्म पर असर : खाली पेट चाय पीने से मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है। इससे हाजमा भी बिगड़ता है। मेटाबॉलिज्म स्लो होने से पाचन तंत्र सही से काम नहीं करता है। इसके लिए खाली पेट चाय न पिएं।

नोट : पाठकों के लिए यह सामान्य जानकारी है। रोगी इसके उपयोग से पूर्व चिकित्सक से परामर्श कर लें।

संकलन- 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

उत्तर दिशा में सिर करके क्यों नहीं सोना चाहिए

नींद का हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से बेहद गहरा संबंध है। जब हम सही दिशा में सिर रखकर सोते हैं तो ऐसा करने से हमारा भोजन भी आसानी से पचता है और सुबह जब हम जागते हैं तो हमें हमारा मस्तिष्क भी शांत, स्वस्थ और ऊर्जावान महसूस होता है। इन्ही कारणों से वास्तु शास्त्र में सोते समय सिर रखने वाली दिशा को लेकर कई नियम बनाए गए हैं, जिससे कि शयन क्रिया का भी हमें ज्यादा से ज्यादा लाभ मिल सके। आपने बुजुर्गों से अक्सर सुना होगा की दक्षिण दिशा की ओर पैर करके नहीं सोना चाहिए क्योंकि दक्षिण दिशा नकारात्मक शक्तियों की दिशा मानी जाती है।

- हमारे प्राचीन ग्रंथों में भी सोने को लेकर कुछ नियम जैसे कि संध्या के समय नहीं सोना चाहिए, सोते समय पैर गीले नहीं होने चाहिए, पूर्णत: बिना कपड़ों के नहीं सोना चाहिए, इसी प्रकार से सोते समय उत्तर दिशा की ओर सिर रखकर भी नहीं सोना चाहिए आदि ऐसे ही कई दिशानिर्देश देखने को मिलते हैं। घर में छोटे-छोटे वास्तु दोषों को दूर करने के लिए एक हस्त निर्मित वैदिक संपूर्ण वास्तु यंत्र अपने पूजा घर में अवश्य स्थापित करना चाहिए।
- पृथ्वी को चुंबकीय शक्तियों से पूर्ण माना गया है और व्यक्ति के उत्तर दिशा में सिर रखके सोने से पृथ्वी का चुंबकीय क्षेत्र व्यक्ति के शरीर की व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव डालता है। जब व्यक्ति रातभर उत्तर दिशा में सिर रखके सोता है तो पृथ्वी के चुंबकीय हिसाब से मस्तिष्क पर दबाव बढ़ने लगता है। इस कारण से शरीर का रक्त सिर वाले भाग में ज्यादा एकत्रित होने लग जाता है जिससे कि **ब्रेन हेमरेज, लकवा** आदि की समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। उत्तर दिशा में लंबे समय तक सोने से ब्लड प्रेशर के बढ़ने से कई बार **नींद में बाधा** उत्पन्न होना, **नींद गहरी नहीं आना, बुरे सपने आना** और साथ में ही **नींद का जल्दी-जल्दी खुलना** भी देखने को मिल सकता है। निरंतर उत्तर दिशा में सोने पर व्यक्ति अपनी मानसिक और शारीरिक शक्तियों में कमी महसूस करने लगता है इसके साथ ही **मानसिक विकार, बुद्धि के विकास में कमी, सोचने- समझने की शक्ति का ह्रास होना, सही व सटीक निर्णय लेने में परेशानी, डिप्रेशन, याददास्त कम होना, अध्ययन के** समय लंबे समय तक याद ना रख पाना आदि परेशानियां भी देखने को मिल सकती हैं।

  हमारी प्राचीन मान्यताओं के अनुसार भी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसे उत्तर दिशा में सिर करके दरवाजे के पास लिटाने का विधान है। यदि व्यक्ति के घर की उत्तर दिशा में कोई वास्तु दोष हो तो इन वास्तु दोषों को कम करने के लिए उसे एक हस्त निर्मित बुध ग्रह का वैदिक यंत्र उत्तर दिशा में या फिर पूजा घर में अवश्य स्थापित करना चाहिए। इस प्रकार से वास्तु के अनुसार किस दिशा में सोने का क्या शुभाशुभ प्रभाव है आईये, इसके विषय में जानते हैं।
- **पूर्व दिशा** की बात करें तो वैज्ञानिकों के अनुसार पूरब दिशा में ना तो ज्यादा आकर्षण है और ना ही ज्यादा प्रतिकर्षण बल है इसलिए, पूर्व दिशा में सिर करके सोने पर आप भी न्यूट्रल रहेंगे और नींद आने में भी बेहद आसानी होगी। इस पूर्व दिशा के दूसरे पक्ष की बात करें तो, पूर्व दिशा में सोने से जातक को ज्ञान की प्राप्ति होती है, इसी कारण से विद्यार्थियों और ज्ञान प्राप्ति में लगे हुए जातकों को भी पूर्व दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए। पूर्व दिशा में सिर रखकर सोने से व्यक्ति का तीव्र मानसिक विकास भी होता है। यदि घर की पूर्व दिशा में कोई वास्तु दोष हो तो एक हस्तनिर्मित सूर्य का वैदिक यंत्र उस पूर्व दिशा में या घर के मंदिर में अवश्य स्थापित करना चाहिए।
- **पश्चिम दिशा में भी सिर करके सोना** बहुत ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता है। बुजुर्गों के अनुसार पश्चिम दिशा में सिर करके सोने से व्यक्ति के पैर पूर्व दिशा में हो जाएंगे। पूर्व दिशा ग्रहों के राजा एवं आत्मा के कारक सूर्य ग्रह की दिशा है और सूर्य की तरफ पैर होना अशुभ माना जाता है। वही वास्तु के हिसाब से बात करें तो पश्चिम दिशा का तत्व वायु है और यह दिशा शनि ग्रह से संबंधित है। पश्चिम दिशा में सिर रखकर सोने से वायु तत्व के कारण व्यक्ति का **मन भी अस्थिर बना रहता** है और सोते समय उसे **चिंता भी महसूस** होती है। पश्चिम दिशा में सिर करके सोने से व्यक्ति का **दिमाग अशांत और चलायमान** रहता है इसके साथ ही व्यक्ति में **भय व निराशा** के भाव भी देखने को मिल सकते है, इसलिए शांत मन से गहरी नींद में सोने के लिए पश्चिम दिशा में सिर करके नहीं सोना चाहिए। यदि व्यक्ति के घर की पश्चिम दिशा में कोई वास्तु दोष हो तो एक शनि का हस्तनिर्मित वैदिक यंत्र उस पश्चिम दिशा में या फिर अपने पूजा घर में अवश्य स्थापित करना चाहिए।
- बात करें **दक्षिण दिशा** की तो शांत मन से गहरी नींद में सोने के लिए वास्तु शास्त्र के अनुसार दक्षिण दिशा उत्तम मानी जाती है। इस दिशा में सोते समय सिर रखने से सुख, समृद्धि, शांति और आयु वृद्धि के साथ ही धन की भी प्राप्ति होती है। इसलिए घर के बड़े बुजुर्गों को दक्षिण दिशा में सिर रखकर सोना चाहिए। यदि घर की दक्षिण दिशा में कोई वास्तु दोष हो तो एक मंगल ग्रह का हस्त निर्मित वैदिक यंत्र उस दक्षिण दिशा में या फिर पूजा घर में अवश्य स्थापित करना चाहिए।
- सोने के और भी कुछ सामान्य नियमों की बात करें तो किसी बीम के नीचे बिस्तर लगाने पर भी स्वास्थ्य पर काफी नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है। **बेडरूम में भगवान की तस्वीरें और मंदिर भी नहीं होना चाहिए।** इससे भी मानसिक शांति में कमी देखने को मिलती है। इस प्रकार से शयन क्रिया को वास्तु के अनुसार अपनाकर आप भी अपने जीवन को सुखी, स्वास्थ्य व समृद्ध बना सकते हैं।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
M.:8058169959

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 अप्रेल श्रीमती भंवरी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मोहन लाल बड़ीवाल, जयपुर
20 अप्रेल श्रीमती शांती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बजरंगलाल बरमुण्डा, लालकोठी, जयपुर
20 अप्रेल श्री नानूराम कुद्दीवाल, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
21 अप्रेल श्री नरेन्द्र जाजोरा, महावीरगंज, ब्यावर, अजमेर
22 अप्रेल श्री गजानन्द मारवाल कुमावत कॉलोनी, ब्यावर, अजमेर
22 अप्रेल श्रीमती मधु धर्मपत्नी श्री राजेश सोकल, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर
23 अप्रेल श्रीमती लच्छी बाई धर्मपत्नी स्व. श्री कानजीसारड़ीवाल, ब्यावर, अजमेर
23 अप्रेल श्रीमती मनफूली देवी धर्मपत्नी श्री राम किशोर धुंधारिया, जयपुर
24 अप्रेल श्रीमती मीना धर्मपत्नी श्री प्रहलाद कारगवाल, चित्रगुप्त नगर, जयपुर
24 अप्रल श्री दीपक सिरोहिया सोडाला, जयपुर
26 अप्रेल श्री रामप्रसाद गढ़वाल, कुम्हारियावास, जयपुर
28 अप्रेल श्री बुद्धिप्रकाश महरावण्डिया, निवाई टोंक
29 अप्रेल श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गणेश नारायण नीमीवाल, अजमेर
30 अप्रेल श्रीमती ज्याना देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गेंदीलाल मारवाल, जयपुर
2 मई श्रीमती सरला देवी धर्मपत्नी स्व. सुभाष चन्द तोंदवाल, वी.के.आई., जयपुर
7 मई श्री हनुमान खण्डारिया, लाल कोठी, जयपुर
7 मई श्री कालूराम पुत्र स्व. श्री रामनारायण जी राहोरिया, धावास, जयपुर
8 मई श्री पृथ्वीराज जलान्धरा शालीमार बाग, अजमेर रोड, जयपुर
8 मई श्री मुकेश कुमार जेठीवाल किशनगढ़ रेनवाल, जयपुर
12 मई श्री गोपाल घोड़ेला, अजीतगढ़
12 मई श्री राजू कुमावत पुत्र श्री प्रभाती लाल मारवाल, जालसू
15 मई श्रीमती लादी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री नानगराम धूंधारिया
15 मई श्री बंशीधर वाडिया (कुमावत), मनोहरपुर
20 मई श्री मोहन लाल कुमावत (बालोदिया), न्यू सांगानेर रोड, जयपुर
20 मई श्री बालूराम मारोठिया, खोरी, शाहपुरा
20 मई श्रीमती मांगी देवी अजमेरा, पत्नी श्री बंशीलाल जी, चांदपोल बाहर, उदयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
गौरव	B.Tech.(IT)	Account officer (Central Govt.)	24.1.93	5'6''	आईथान	सोकिल	घोड़ेला	सिरस्वा	9887695665	जयपुर
शिवम	B.Sc. (IIM)	HOD private school	18.3.98	5'4''	सिरस्वा	कुदाल	मामोडिया	होदकास्या	9414075337	जयपुर
सौरभ	B.Tech.(IIT)MBA	Sr. Software Developer	2.10.96	5'10''	सारड़ीवाल	राजोरिया	कारगवाल	सिरस्वा	9929070311	जयपुर
कपिल	12th	Sales man	17.10.92	5'10''	बैरा	कुदीवाल	कारगवाल	धुंधारिया	9057803033	जयपुर
नितेश	BA	Business	10.10.92	5'6''	नराणिया	बड़ीवाल	खण्डारिया	तूंदवाल	6377027649	जयपुर
राजकुमार	B.A., Diploma	Self business in Amozon	1.9.82	5'9''	जलान्दरा	बारावाल	उज्जीवाल	–	7737718472	जयपुर
पुनीत	C.A., M.Com.	Assist. manager LIC	20.11.92	5'4''	माचीवाल	काम्या	मनेठिया	मामोडिया	9799286300	जयपुर
उमेश	M.Sc. (Statices)	officer in Panchayat samity	11.10.96	5'10''	मारोठिया	जलान्दरा	बासनीवाल	किरोड़ीवाल	9928958139	जयपुर
डॉ. कृष्णा	MBBS	Self Diaganositic centere	3.8.95	5'10''	जलान्दरा	घाड़ेला	मारवाल	भोड़ीवाल	9929804998	जयपुर
डॉ. ग्रिजेश	BHMS	Homeopatic Clinic	24.9.96	5'8''	खटवाल	गैदर	जूनवाल	राणोलिया	9314179648	जयपुर
अंकुश	B.Tech., MBA	Working in MNC	15.10.90	5'5''	गुरीवाल	मोरवाल	लकेसर	कटूमार	9811325021	दिल्ली
रचित	B.Tech (EE)	Sr. Engi. in Pvt. Ltd.	16.7.94	5'8''	टांक	खोरानिया	बबेरीवाल	मण्डावरा	9351767706	उदयपुर
अक्षया	M.Tech.(Structure)	Self Employed	14.9.93	5'10''	देवतवाल	बबेरीवाल	किरोड़ीवाल	मेहरवंडिया	9829099717	जयपुर
डॉ. रूपीन	MBBS	-	6.3.96	5'8''	निमीवाल	दादरवाल	लुहानीवाल	किरोड़ीवाल	9413611769	जयपुर
डॉ. प्रफुल्ल	MBBS	Preparing Jr. Civil services	3.12.96	5'8''	तिलायचा	मोटावत	मण्डोरा	लिम्बा	9829578836	जोधपुर
प्रमोद	M.Com.	Associat Manager	21.11.92	5'6''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	8952096626	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
रोली	MCA	-	31.7.90	5'2''	घोड़ेला	पारमवाल	सिरस्वा	कुकडवाल	7023562620	जयपुर
नेहा	B.Com.	-	25.4.2000	5'4''	जूनवाल	बबेरीवाल	हीरापुरिया	उदयवाल	9929266531	जयपुर
बीना	M.Com.	-	29.12.90	5'0''	जालवाल	कण्डेरीवाल	बैरा	देवतवाल	9460725876	जयपुर
शज़्सी(मांगलिक)	M.A.	-	12.9.2000	5'4''	धमोनिया	सिरस्वा	घोड़ेला	मारवाल	9680194333	जयपुर
मोनिका	M.A.,B.Ed.	-	13.9.98	5'3''	पीपलोदा	सिरस्वा	काम्या	घोड़ेला	9413191190	सीकर
कुसुम	M.Com.CA	-	27.7.97	5'6''	पडलाया	घोड़ेला	माचीवाल	बारावाल	9829516702	झोटवाड़ा
शिप्रा	M.Sc., B.Ed.	-	10.5.95	5'5''	केलगूगरिया	जलान्दरा	माचीवाल	किरोड़ीवाल	9829563985	जयपुर
आयुशी	Post Education	Fashion design Self Business	1.8.96	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधारिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
पूजा	B.A. Fashion design	Self employed	5.8.97	5'3''	बालोदिया	दौराया	लोरवाड़िया	सिरोहिया	9782134700	टोंक
मनीषा(मांगलिक)	M.Com.(ABST)	-	14.7.93	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
सोनल	B.Com.,CS,ICSI	-	4.4.93	5'5''	मावर	किरोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	7999823948	
हर्षा	M.Sc., B.Ed.	-	1.5.98	5'5''	राजोरा	बधानिया	बालोदिया	सारड़ीवाल	7976510814	जयपुर
रविना	M.Com. RSCIT	Fashion Designer	12.1.97	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बधानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
शिखा	M.Com.	Private Ltd.	31.5.94	5'3''	मामोड़िया	राहोरिया	मरोडिया	बालोदिया	9660549681	जयपुर
तनु	M.Com.	-	27.2.2001	-	माचीवाल	नेमीवाल	अनावड़िया	बारवाल	9660230812	जयपुर
मोनिका	M.A.	-	27.10.98	-	माचीवाल	नेमीवाल	अनावड़िया	बारवाल	9660230812	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

Premiere Institute of Hotel Management

Puri, Odisha.

Affiliated To Utkal University of Culture.

Admission Open...

- Bachelor in Hotel Management (60 seat) & Master in Hotel Management (15 seat)
- Course Fees 41500/-..per year
- Hostel Fees- 4500/- per month
- Contact - 8763483627
  (Special Offer for SC & ST students...)

For Girls course fee is **15000/-** per year

विज्ञापन

PG Diploma in Hotel Management

1yr Diploma in Hotel Management

All course fees... 41500/- per year
(OR 21000/- per semester)

Web site- www.pihmt.com

प्रकृति का एक नजारा

एक ओर क्षितिज में चाँद मुस्कुरा रहा है।
उधर भास्कर भी उदित होने को, अपने घोड़े दौड़ा रहा है।।
आसमाँ में घटायें घनघोर है।
सुबह के आलोक में, सागर के किनारे दूर तक नहीं कोई ओर है।।
सिर्फ दूर पक्षियों के किलोल की मधुर चहचहाहट का शोर है।
किनारे पर घूमते, दौड़ते, कुदरत के अद्भुत नजारों को निहारते,
अजीब से सुकून का अहसास करते, कुछ यादों को दिलों दिमाग में,
कुछ को कैमरे में कैद करते, उदित होते भानु को नमन करते,
रेत पर अपने निशा छोड़ते, सकून से भरी हुई झोली लाया हूँ।
दोस्तों, खुशियों की इस सौगात को बाँटने आया हूँ।।

– सुभाष मारोठिया

बधाई

सौम्या कुमावत

CBSE बोर्ड की 12वीं कक्षा में **89.4 %** अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

रामनारायण–स्नेहलता (दादा–दादी),
अरुण वर्मा–बनिका वर्मा (पिता–माता),
प्रदीप वर्मा–राजश्री कुमावत (ताऊजी–ताईजी),
जितेन्द्र वर्मा–रूची कुमावत (चाचा–चाची),
हेमलता वर्मा–ओम प्रकाश कुमावत (बुआ–फूफाजी)
सुरेन्द्र कुमार वर्मा–कृष्णा वर्मा (नाना–नानी)

बधाई

दिव्यांशी कुमावत

CBSE बोर्ड की 10वीं कक्षा में **96.5%** अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण होने पर

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

रामनारायण–स्नेहलता (दादा–दादी),
प्रदीप वर्मा–राजश्री कुमावत (पिता–माता),
अरुण वर्मा–बनिका वर्मा (चाचा–चाची),
जितेन्द्र वर्मा–रूची कुमावत (चाचा–चाची),
हेमलता वर्मा–ओम प्रकाश कुमावत (बुआ–फूफाजी),
गौरीशंकर–विद्यादेवी (नाना–नानी),
राजेश कुमावत–ममता कुमावत (मामा–मामी),
राकेश कुमावत–निर्मला कुमावत (मामा–मामी)

ई-642, नकुल पथ, लालकोठी स्कीम, जयपुर-30015

समाज सेवी रमेशचंद्र झालवार

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के दक्षिण-पश्चिम राजस्थान जोन के अध्यक्ष रमेशचन्द्र कुमावत (झालवार) अहमदाबाद के अपोलो हास्पिटल में उपचार के दौरान निधन हो गया। देवाली में श्रद्धांजली सभा (उठामणा) में अनेक समाजजनों ने पुष्पांजलि अर्पित की। रमेशचन्द्र झालवार का आकस्मिक निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। रमेशचन्द्र झालवार युवा अवस्था से ही समाज के कार्य में अग्रणी रहे हैं। सन 1963 में आपने नाथद्वारा में नवयुवक मंडल की स्थापना की। आप दूरसंचार विभाग में सेवारत रहते हुए भी समाज सेवा से जुड़े रहे। समाज के प्रति समर्पित रहते हुए आप 2001 से 2004 तक नगर शाखा के अध्यक्ष रहे। आप 14 मार्च 2019 से भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) दक्षिण-पश्चिम जोन के अध्यक्ष 14 मार्च 2023 तक रहे।

भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष युधिष्ठिर कुमावत ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्री रमेशचन्द्र झालवार विनम्रता-सादगी व कुशल संगठनकर्ता के रूप में सदैव हमारी स्मृतियों में रहेंगे। रमेशजी का अचानक यूं चले जाना महासभा व समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। रमेश जी के भरे-पूरे परिवार में उनकी पत्नी लीला देवी, उनकी एकमात्र पुत्री सुनीता, दामाद डॉ. राजेशचन्द्र कुमावत हैं। श्रद्धांजलि सभा में राष्ट्रीय जनगणना मंत्री हरिसिंह घटेलवाल, सुधीर कुमावत, योगेश चोरमा, मुकेश गोठवाल, खुशवेंद्र रेणा, प्रकाश बातरा, निशांत कुमावत, हितेश कुमावत, श्याम लाल सलवाड़िया, डूंगर सिंह बबेरिवाल, पुष्कर राज सलवाड़िया, दलपत बात रा, ओम प्रकाश बातरा, प्रमोद पालड़िया, ओम प्रकाश मेरावण्डिया, खेमराज अडानिया सहित सैकड़ों समाजजन तथा इष्टमित्र आदि उपस्थित थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार समाजसेवी रमेश चंद्र झालवार के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

द्वितीय पुण्यतिथि

विज्ञापन

स्वर्गवास 26.6.2021

स्व. श्री रामलाल जी खण्डारिया

(Retd. F.C.I.)

आपका स्नेह भरा, सरल, सादगीपूर्ण व्यवहार, कठोर परिश्रम, रचनात्मक व्यक्तित्व हमारे पथप्रदर्शन में सदैव प्रेरणादायक रहेगा। द्वितीय पुण्यतिथि पर हम सभी परिवारजन आपको श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

श्रद्धावन्त धर्मपत्नी : श्रीमती सुशीला देवी, पुत्र-पुत्रवधु : विनोद-रीना, अशोक-शानू, पुत्री-दामाद : रेखा-पुरुषोत्तम जी, भ्राता : शंकरलाल, गोपाल लाल, प्रेमलाल, भतीजे : प्रकाश, कन्हैयालाल, राजेश, सुरेश, शेखर, चन्द्रेश, मनीष, विकास, पौत्री : पूर्णिमा, ट्विंकल, रिमझिम, पौत्र : हरीश, देवेन्द्र, प्रिंस, दोहिता : राज, रिषू एवं समस्त खण्डारिया परिवार

37, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, राजस्थान-302001

गरिमा वर्मा को पीएचडी

गरिमा वर्मा पुत्री श्री जेठाराम ने डॉ. संतोष कुमार गढ़वीर के निर्देशन में **मारवाड़ के सांस्कृतिक पर्यटन में ऐतिहासिक धरोहर का योगदान एक अध्ययन** पर शोध कार्य किया है। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर ने इन्हें पीएचडी की उपाधि प्रदान की है।

गरिमा वर्मा को पीएचडी की उपाधि मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

चौथाराम कुमावत एक्जीक्यूटिव इंजीनियर चयनित

केन्द्र सरकार की संस्था एनएलसी में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर रिनेवेबल एनर्जी के पद पर श्री चौथाराम कुमावत पुत्र श्री गिरधारी राम कुमावत सोनड़ी, बाड़मेर निवासी का चयन हुआ है। इन्होंने हरियाणा से बीटेक एवं कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी हरियाणा से एमटेक किया है।

श्री चौथाराम कुमावत का एक्जीक्यूटिव इंजीनियर रिनेवेबल एनर्जी के पद पर चयन होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 26.5.2002

स्व. श्री आनंदीलाल जी लखेसरा

की 21वीं पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि

श्रद्धान्वत

पत्नी : श्रीमती सरन देवी,
पुत्र-पुत्रवधु : नारायण प्रकाश-बसंत
पुत्री-दामाद : विमला-प्रेमचंद जी
पौत्र-पौत्रवधु : मधुर वर्मा-शिवानी,
पौत्री-पौत्री दामाद : रितु-सुरेश जी, कविता-नरेश जी कुसुम-निशांत जी

एफ-24, 4th एवेन्यू, लाल बहादुर नगर प.,
जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर मो. 9414238619

श्रद्धांजलि

स्व.श्रीमती दुर्गा देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री अर्जुन किशोर जी
21वीं पुण्य तिथि
27 जून, 2023

स्व.श्री अर्जुन किशोर जी

(खण्डारिया)
(समाजसेवी एवं भामाशाह)
कुमावत विद्यालय के संस्थापक पदाधिकारी
13वीं पुण्य तिथि
30 मई, 2023

पर सादर श्रद्धांजलि

श्रृद्धान्वत:

पुत्र-पुत्रवधु : प्रकाशचन्द-शोभा, कन्हैयालाल-कल्पना ,
पौत्र-पौत्रवधु : आशीष-ज्योति
तपेश-प्रियंका, पौत्र : सोमवेन्द,
पौत्री-पौत्री दामाद: दिव्या (रोमिना)- भास्कर भौरोंदिया,
पूजा-विकास गठेलवाल, पड़पौत्री : नव्या, प्रणवी,
पड़दोहिते : महिरूद्र

प्रतिष्ठान : मै. अर्जुन गारमेंट्स सोडाला, जयपुर मो. 9828088040 | मै. दुर्गा साड़ी एवं सलवार सूट सोडाला, जयपुर मो. 9314058244

निवास - 52, लालपुरा कॉलोनी, वनस्थली मार्ग, जयपुर

श्रद्धांजलि

स्व.13.06.1961

स्व.श्री रामदयाल खोरानियां

63वीं पुण्यतिथि 13 जून 2023

हम सब परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं

श्रृद्धान्वत:

धर्मपत्नी: ललिता देवी वर्मा (Retd. P.T.I),
भ्राता: दामोदर लाल खोरानियाँ
पुत्री-दामाद : माया- प्रकाश चन्द मारोठिया
विजय लक्ष्मी नागा (एडवोकेट)- ब्रजेश कुमार नागा (एडवोकेट)
दोहिते : लोमेश नागा (एडवोकेट) लक्ष्य

पता : खोरानियों का चौक, बाबा हरीश चन्द मार्ग
चांदपोल बाजार, जयपुर

श्रद्धांजलि

स्व. 22 मई 2018

स्व. श्री कैलाश जी बालोदिया

वाणिज्य कर विभाग, रिटायर्ड

की पंचम पुण्य तिथि पर सादर श्रद्धांजलि

श्रृद्धान्वत :

धर्मपत्नि : श्रीमती निर्मला देवी
पुत्र-पुत्रवधु : दीपक-सुनिता, चन्द्रप्रकाश-सीमा मोहित-पूजा
पौत्र : सुयश, धावित, हर्ष
पौत्री : युविका

निवास : एच-48, स्वेज फार्म, गोविन्दपुरी, रामनगर, सोडाला, जयपुर

सौ.का. मेधावी
संग
चि. शिवांग

का शुभ विवाह
7 मई, 2023

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

वधू पक्ष : आर.एन. कुमावत-श्रीमती स्नेह प्रभा (**माता-पिता**), श्रीमती संतोष (**ताईजी**), शशिकान्त जी-श्रीमती भूमिका (**जीजाजी-दीदी**), मोही, वेद (**भान्जी-भांजा**), रुपेश-श्रीमती श्वेता, आभास-श्रीमती कृति एवं अभिनन्दन-श्रीमती रेणूका (**भाई-भाभी**), किशी (**भतीजी**)

वर पक्ष : उपेन्द्र भारती-श्रीमती स्नेहा भारती (**माता-पिता**), रविन्द्र भारती-डॉ. नमिता भारती, अरुण कुमार-श्रीमती चित्रा भारती (**ताऊजी-ताईजी**), श्रीमती अरुणा, श्री मयंक-डॉ. हेमलता भारती (**चाचा-चाची**), शिशिर (**भाई**)

72/20, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर-302020

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF

All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

i"kd% dekor bfM;k if=dk
,Q 31@,] , l- ,y- ekx]
yky cgknj uxj&i-] nxki jk] t ; i j & 302018